हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 23 जून 2024

तापमान
अधिकतम 39 .7 डिग्री
न्यूनतम 24 .9 डिग्री

12 नीट व दूसरी परीक्षाओं में हुई धांधली

12 सोलो हरियाणवी नृत्य में खुशी व कथक में रिया ने मारी बाजी

खबर संक्षेप

नशे के खिलाफ किया गया जागरुक

अंबाला। पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ-साथ जिला में नशे की रोकथाम, नशे से दूर रहने, नशे के दुष्परिणामों बारे आम नागरिकों विशेषकर युवाओं को जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान की भी शुरूआत की गई है, जिससे कि नागरिक विशेषकर युवा नशे से दूर रहकर अच्छे कार्यों में लगकर देश की उन्नति में भागीदार बनें।

पौधरोपण अभियान की शुरुआत

अंबाला। सनातन मंच सेवा सभा द्वारा 27 से 29 जून तक अंबाला शहर में 500 वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया गया है। सभा के चेयरमैन देविंदर शर्मा ने बताया कि यह अभियान 27 जून को सुबह 11 बजे कालका चौक से आरंभ होगा। अभियान का शुभारंभ मेयर शक्ति रानी शर्मा करेंगी।

समाजसेवी ने ग्रामीणों को गंगा स्नान करवाया

पानीपत। समाजसेवी महेंद्र सिंह कादियान ने लोगों को निशुल्क बस से हरिद्वार ले जाकर गंगा स्नान कराने का बीड़ा उठाया है। अभी तक 300 लोग गंगा स्नान कर चुके हैं। बस सुबह साढे आठ बजे हरिद्वार के लिए निकलती है और अगले दिन वापस आती है। इस दौरान हरिद्वार में रात्रि में धर्मशाला में रुकने और खान-पान की व्यवस्था भी निःशुल्क की गई है। कादियान का कहना है कि यदि ईश्वर ने चाहा तो वे हर साल जनता की सेवा के लिए ऐसे कार्य करते रहेंगे।

घर में घुसकर चोरी करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

पिहोवा। पुलिस ने घर से चोरी करने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। थाना सदर पेहवा की टीम ने गुरवीर सिंह उर्फ बीरू पेहवा, रवि गोचर वासी कैथल व अंकित उर्फ सागर वासी पेहवा को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर मामले मे गिरफ्तार करके चोरीशुदा सोने व चांदी के गहने बरामद करने मे सफलता हासिल की है।

गर्मी की तपिश व उमस ने लोगों को किया हलकान, तापमान बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

दो पहले जिले में हुई हल्की बारिश के बाद शनिवार को एक बार फिर मौसम में गर्मी की तपिश बढ़ने व उमस होने से दिन भर लोग हलकान रहे। शनिवार को दिन भर मौसम में गर्मी की तपिश बढ़ी रही और उमस बनने से लोग पसीना पसीना हो गए। जिससे बचने के लिए लोग मारे-मारे घूमते रहे। मौसम में गर्मी की तपिश बढ़ने से शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 38 डिग्री व न्यूनतम 29 डिग्री सेल्सियस रहा।

- ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने धूप से बचने के लिए पेड़ की छांव का सहरा लिया

यमुनानगर में दोपहर के समय पार्क में पेड़ों की छांव में बैठकर गर्मी से राहत पाते लोग।

शनिवार सुबह करीब आठ बजे तक मौसम सामान्य रहा। मगर जैसे ही दिन बढ़ने लगा तो गर्मी की तपिश और उमस ने लोगों को हलकान कर दिया। मकानों में लगे पंखे गर्म हवा फेंकने लगे। जिसकी वजह से बच्चे, महिलाएं व बुजुर्ग परेशान हो गए।

इस दौरान ग्रामीण इलाके में अधिकांश लोग आसपास पेड़ों की छांव में बैठकर गर्मी की तपिश से राहत पाने लगे। वहीं, जिन लोगों के पास घरों में ऐसी हैं वह अपने कमरों में दिन भर बंद हो गए। जबकि गरीब लोग हाथों का पंखा झोलने व पेड़ों की छांव का सहारा लेकर गर्मी से राहत पाते दिखाई दिए।

बारिश नहीं हुई तो फसलों को होगा नुक्सान

किसान महेंद्र पाल सिंह, गुरदेव सिंह, शोभित, रविश कुमार, सतीश, रविंद्र, दलीप सिंह, पवन कुमार, सुखविंद्र सिंह व राजबीर सिंह आदि ने बताया कि इस समय धान की रोपाई का कार्य तेजी से चल रहा है। मगर ऐसे में ना तो बारिश हो रही है और ना ही खेतों की सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली मिल रही है। जिससे धान की रोपाई करने के लिए खेत तैयार नहीं हो रहे हैं। वहीं, जिन खेतों में धान की रोपाई हो चुकी है, उनमें सिंचाई नहीं हो पा रही है। किसानों का कहना है कि खेतों की सिंचाई के लिए जो बिजली दी जा रही है उसमें भी बार-बार कट लगाए जा रहे हैं। आलम यह है कि जब तक खेत में पानी पहुंचता है तब तक बिजली का कट लग जाता है। उन्होंने कहा कि यदि अगले एक सप्ताह और बारिश नहीं हुई तो धान की रोपाई बंद हो जाएगी और अन्य फसलें सूखने के कगार पर पहुंच जाएंगी। उन्होंने सरकार से किसानों को दिन के समय रोजाना कम से कम दस घंटे बिजली सप्लाई दिए जाने की मांग की।

तापमान 38 के पार

शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 38 डिग्री व न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहा। जिससे दिन भर मौसम में गर्मी के साथ-साथ उमस ने लोगों को खूब तड़फाया।

ट्रेनिंग न लेने वालों पर सख्त हुआ शिक्षा विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

निपुण हरियाणा मिशन के तहत आयोजित हुई ट्रेनिंगों में भाग न लेने वाले प्रतिभागियों पर शिक्षा विभाग ने सख्ती करनी शुरू कर दी है। विभाग ने पत्र जारी प्रदेश के सभी जिलों से ऐसे शिक्षकों, एबीआरसी व बीआरपी की जानकारी मांगी है जिन्होंने अभी तक भी निपुण हरियाणा मिशन की ट्रेनिंग में भाग नहीं लिया है। बता दें कि निपुण हरियाणा मिशन कार्यक्रम को शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 3 से बढ़ाकर कक्षा 5 तक कर दिया गया है। इसके लिए बीते माह में विभाग की ओर से खंड स्तर पर कक्षा चौथी और पांचवीं को पढ़ाने वाले शिक्षकों और मेंटर्स को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सभी प्राइमरी शिक्षकों व सभी मेंटर्स का भाग लेना अनिवार्य किया गया था। विभाग ने 20 जून को पत्र जारी कर इन ट्रेनिंग को न लेने वाले शिक्षकों व मेंटर्स के बारे में रिपोर्ट तलब की है।

- ट्रेनिंग में भाग न लेने वाले टीचरों, एबीआरसी व बीआरपी की रिपोर्ट तलब

इयूटी कटवाने वालों को किया जाएगा ट्रेस

विभाग ने सभी जिलों से शिक्षकों के अलावा ऐसे एबीआरसी व बीआरपी की सूचना भी देने को कहा है जिनकी डयूटी एसआरजी (स्टेट रिसोर्स ग्रूप), मास्टर ट्रेनर्स व केआरपी के रूप में लगाई गई थी लेकिन उन्होंने किसी तरह से अपनी डयूटी कटवा ली। विभाग के संज्ञान में आया है कि अक्सर कई एबीआरसी व बीआरपी ट्रेनिंग की डयूटी देने से बचते है और अपनी डयूटी कटवा लेते है। ऐसे में ट्रेनिंग का पूरा कार्यभार कुछ ही एबीआरसी व बीआरपी पर पड़ता है। ऐसे सभी शिक्षकों, एबीआरसी व बीआरपी की रिपोर्ट निदेशालय ने मांगी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाने से महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

- मृतक महिला के मायके वालों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर लगाया दहेज हत्या करने का आरोप
- पुलिस ने मृतका के पति समेत परिवार के चार लोगों के खिलाफ किया केस दर्ज

गांव पालेवाला निवासी रेणु की संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर विदेश भेजने के नाम पर 10 लाख रुपये मांगने का आरोप लगाते हुए दहेज हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद मृतका के पति समेत परिवार के चार लोगों के खिलाफ दहेज हत्या के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिला करनाल के गांव धानोखेड़ी निवासी बचाना राम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके भाई धर्मवीर की मृत्यु हो चुकी है। धर्मवीर के पास दो बच्चे हैं। उसने अपने भाई धर्मवीर की लड़की 20 वर्षीय रेणु की शादी एक साल पहले गांव पालेवाला निवासी मोहित कुमार के साथ की थी। शादी में उन्होंने अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था। उनकी लड़की रेणु विदेश जाना चाहती थी। उसने पीटीई की हुई थी। जिसमें उसके सात बैंड आए हुए थे। जब उन्होंने रेणु की शादी की तो उस समय उनकी मोहित के परिवार से बात हुई थी कि वह शादी के बाद दोनों को विदेश भेज देंगे और उनका सारा खर्च वह खुद वहन करेंगे। बचाना राम ने बताया की शादी के छह माह के बाद उसका पति मोहित, माता रानी उसकी बहन गोल्डी उसकी भतीजी रेणु को विदेश भेजने के नाम पर मायके से 10 लाख रुपये लेकर आने का दबाव बनाने लगे। रेणु ने यह बात अपनी मां सीमा को बताई। सीमा ने उन्हें इस बारे बात की मगर वह यह पैसे देने में असमर्थ थे। मांग पूरी ने होने पर आरोपी उसकी भतीजी रेणु के साथ मारपीट करने लगे। 21 जून को उनके पास फोन आया कि रेणु की तबीयत खराब हो गई है वह उसे शहर के निजी अस्पताल में लेकर जा रहे हैं सूचना मिलते ही वह अस्पताल पहुंचा। जहां पर इलाज के दौरान रेणु की मौत हो गई। उसने आरोप लगाया कि मोहित, संजीव, गोल्डी व रानी ने उसकी भतीजी रेणु की दहेज के लिए हत्या की है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद चारों आरोपियों के खिलाफ धारा 304 बी व 34 के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

मांगों को लेकर रोडवेज कर्मी करेंगे भूख हड़ताल

ऑल हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

- आला अधिकारियों के तानाशाही रवैया से रोष

ऑल हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन 1947 के राज्य प्रधान मायाराम उनियाल, राज्य महासचिव बलदेव सिंह मामू माजरा, प्रदेश प्रेस प्रवक्ता रणजीत करोड़ा ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि हरियाणा रोडवेज के कर्मचारी 26 जून को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक सामूहिक भूख हड़ताल करेंगे। यूनियन नेताओं ने कहा कि क्योंकि जब से हरियाणा में बीजेपी की सरकार बनी है तब से अफसर शाही का राज है, उच्च अधिकारी न तो सरकार की परवाह करते हैं और न ही सरकार द्वारा यूनियन से वार्ता में मांनी हुई मांगों को लागू करते हैं। ना ही सरकारी कर्मचारियों के हित की कोई बात करते हैं। 2014 में जब हरियाणा सरकार बनी थी तभी इन आला अधिकारियों ने तानाशाही रवैया बनाना शुरू कर दिया। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर पूरे हरियाणा में दिवाली बड़े धूमधाम से मनाई गई थी क्योंकि उस समय भाजपा की सरकार नई-नई बनी थी। सभी को इस सरकार से बहुत उम्मीदें थी। मगररोडवेज के कर्मचारियों की दिवाली फीकी मनी थी क्योंकि सरकार ने अपनी सरकार बनने की खुशी में रोडवेज कर्मचारियों को दिवाली का बोनस ही नहीं दिया था। जबकि 2013 में जब रोडवेज कर्मचारियों ने कांग्रेस सरकार की प्राइवेट पॉलिसी के खिलाफ तीन दिन की हड़ताल की थी तब बीजेपी के आला नेताओं ने व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामविलास शर्मा ने भी रोडवेज कर्मचारियों का समर्थन किया था और प्राइवेट पॉलिसी का विरोध किया था, लेकिन जैसे ही सत्ता की चाबी इनके हाथ में आई सबसे पहले रोडवेज को बर्बाद करने का काम किया। सिर्फ 2015 में एक दिवाली का बोनस देकर बाकी आज तक किसी भी दिवाली पर बोनस नहीं दिया और 2018 में किलोमीटर स्कीम की पॉलिसी लेकर के आई कर्मचारियों के विरोध के बावजूद भी तानाशाही का परिचय देते हुए किलोमीटर स्कीम की बसें रोडवेज के बेड़े में शामिल कर दी गई जो आज सिर्फ न सिर्फ घाटे का सौदा है उनकी सीट रोडवेज की बसों की अपेक्षा सही नहीं है।

कुरुक्षेत्र। बैठक में मौजूद रोडवेज पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

साइबर ठगों ने रिश्तेदार बताकर एक्सीडेंट होने की बात कहकर व्यक्ति से ठगे 88 हजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

- पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

शहर की प्रोफेसर कॉलोनी निवासी पूर्ण सिंह से उसकी पत्नी का भतीजा बनाकर साइबर ठगों ने 88 हजार रुपए ठग लिए।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हॉस्टल रोड प्रोफेसर कॉलोनी निवासी पूर्ण सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक में नौकरी करता है। गत 30 मई को उसकी पत्नी सुरेश कुमारी के मोबाइल पर एक युवक ने फोन किया। आरोपी ने उसे बताया कि वह उसका भतीजा अजय बोल रहा है। अजय ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में गया हुआ है। आरोपी ने उसे बताया कि वह भारत में वापस आया है और यमुनानगर आया हुआ है। यमुनानगर में उसका एक्सीडेंट हो गया है। पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। उसे 30 हजार की जरूरत है। उसकी पत्नी ने उसे इस बारे बताया। उसने आरोपी द्वारा दिए गए गूगल पे नंबर पर 30 हजार डाल दिए। इसके बाद फिर से उसकी पत्नी के पास फोन आया और कहा कि उसे 50 हजार की और जरूरत है। उसने फिर से आरोपी द्वारा दिए गए नंबर पर 50 हजार भेज दिए। इसके बाद वह ड्यूटी पर चला गया। कुछ देर बाद उसकी पत्नी के पास फिर से आरोपी का फोन आया और कहा कि एक्सीडेंट में उसके कपड़े फट गए हैं। उसे कपड़े लेने हैं। उसकी पत्नी ने पड़ोस में रहने वाली रमन कौर के पास जाकर आरोपी के अकाउंट में आठ हजार भिजवा दिए। शाम को घर आकर जब उसने अजय के ऑस्ट्रेलिया वाले मोबाइल नंबर पर फोन किया तो उसने कहा कि उसने आप लोगों से पैसे नहीं मांगे हैं। पुलिस ने मामले की जांच के बाद केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

बदमाशों ने ट्रक परिचालक के साथ मारपीट कर छीने 20 हजार

यमुनानगर। शहर के समता योग आश्रम के पास ट्रक को ठीक करवा रहे परिचालक के साथ बीती रात आधा दर्जन बदमाशों ने मारपीट कर उससे 20 हजार रुपए छीन लिए। घटना के बाद आरोपी बदमाश मौके से भाग गए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आधा दर्जन अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव खारवन निवासी कुलदीप सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 12 टायरी ट्रक पर परिचालक का काम करता है। नौ जून को पानीपत में उनके ट्रक का एक्सीडेंट हो गया था। जिससे उनकी गाड़ी को काफी नुकसान हुआ था। उन्होंने समता योग आश्रम के पास गुरदयाल ट्रक बॉडी मेकर दुकान पर ट्रक को ठीक करवाने के लिए खड़ा किया हुआ था। रात को वह ट्रक के पास चारपाई डालकर सो गया था। रात को करीब एक बजे बाइकों पर सवार होकर आधा दर्जन युवक आए। आरोपियों ने आते ही उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद आरोपी उससे 20 हजार रुपए छीन कर मौके से भाग गए। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

युवती की अश्लील वीडियो इंस्टाग्राम पर डाली

यूपी निवासी युवक ने वीडियो हटाने की एवज में दो लाख मांगें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

- पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की आरोपी पर पहले भी दर्ज है दो केस

पानीपत निवासी युवती से उत्तर प्रदेश निवासी युवक ने जान पहचान की और इसका फायदा उठा कर युवक ने युवती की फोटो खींचने के साथ वीडियो बना ली। उसी को अश्लील फोटो में एडिट कर युवती के नाम से ही फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर अपलोड कर दिया है। अब उसे हटाने और शादी करने का दबाव बनाने के साथ दो लाख की मांग कर रहा है। युवक की उक्त हरकतों से तंग आकर युवती उस पर पहले भी दो बार केस दर्ज करा चुकी है, लेकिन युवक जमानत पर बाहर आने पर फिर से उक्त हरकत करने लगता है। युवती ने थाना पुराना औद्योगिक को दी शिकायत में बताया कि वह एक रिश्तेदार की शादी में गई थी। जहां विक्की उर्फ वरुण निवासी ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से मिली थी। उसने उसका फोन नंबर लिया और बातचीत करनी शुरू कर दी। इसी दौरान उसने उसकी फोटो व वीडियो बना ली। वहीं, आरोपी ने 10 मई को उसके मोबाइल पर भी सुबह 9:42 मिनट पर फोटो व वीडियो भेजी। युवती के मुताबिक आरोपित ने उक्त फोटो व वीडियो अपने भाई पंकज के फोन में सेव कर रखी है। वो उसे बार बार धमकी देता है। आरोपित ने अपने ताऊ के बेटे पंकज के साथ मिलकर उसके नाम से फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर व अश्लील फोटो, वीडियो व मैसेज अपलोड कर दिए हैं और उन्हें हटाने की एवज में दो लाख की मांग कर रहा है। उसका कहना है कि दो बार केस दर्ज कराने के बावजूद भी आरोपित हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।पुलिस ने आरोपित विक्की उर्फ वरूण व पंकज के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

साहस की मिसाल

गुरु चंद्रकांता की तरह सामाजिक सेवा को बढ़ा रही हैं आगे, बोली सामाजिक कुरीतियों का डटकर करती हैं विरोध

छह महीने की थी जब परिवार ने छोड़ा, अब 35 साल की हिना किन्नर डेरा की प्रमुख

सुभाष शर्मा ▶▶| मुलाना

कस्बे में महंत हिना अब अपनी गुरु चंद्रकांता की सेवा को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही। उनकी सेवाओं की चर्चा अब पूरे कस्बे में हो रही है। असल में किन्नर जिसे थर्ड जेंडर के नाम से भी समाज मे जाना जाता है। किन्नर एक ऐसा समाज जिस का अपना परिवार नही लेकिन समाज की खुशियों में शामिल हो बधाई जरूर देता है। चाहे जन्म का अवसर हो या फिर समाज में विवाह की खुशी सब के मंगल की कामना ये करते हैं। सदियों से किन्नर समाज का पारंपरिक काम नाच गाकर लोगों को दुआएं देकर बक्शीश लेना है। समाज में यह धारणा है कि यदि किन्नर ने किसी को दिल से दुआ दी तो वो खाली नहीं जाती। त्यौहार, शादी ब्याह और घर में नन्हे मेहमानों के आने पर किन्नर अक्सर नाच गाकर नजराना मांगते हैं । कई दशक तक महंत चंद्रकांता की अगुवाई में किन्नर समाज बधाई लेने आते थे।अब 35 वर्षीय हिना महंत इस गद्दी पर आसीन है। महंत हिना ने अपने समुदाय के काफी अनछुए पहलुओं पर बातचीत की।

डेरे के किन्नरों के साथ महंत हिना किन्नर।

गद्दी नसीन हिना महंत दुखी मन से बताती है कि उसे पता ही नहीं है कि उस के माता पिता कौन है? उन्हें तो यह तक मालूम नहीं की उन का जन्म किस शहर में हुआ किस तारीख किस साल में हुआ। उसने अपने माता पिता का चेहरा तक याद नहीं । बस उसे डेरे पर यही बताया कि जब वह छह महीने की थी तब उसके माता पिता उसे यहां छोड़ गए थे। हिना बताती है कि उसे डेरे में रहने वाली दादी शबनम ने पाला। दादी शबनम ने ही उसे बताया कि उस का नाम मनजीत कौर है । बाद में डेरे में उन का नाम बदल कर हिना रखा गया । शबनम दादी ने उस का बहुत ही प्यार से पालन पोषण किया।

100 साल से भी अधिक पुराना है डेरा

कस्बे में किन्नर समाज का डेरा 100 साल से भी अधिक पुराना है। कहते है कि पहले जिले में ही किन्नर समाज का डेरा हुआ करता था वहीं से किन्नरों को संख्या के हिसाब से बधाई मांगने के लिए गांव बांटे गए थे । बाद में फिर साहा, मुलाना,बराड़ा में अलग अलग डेरे बनाए गए लेकिन सभी डेरे अंबाला डेरे से जुड़े हुए है। हिना कहती है कि पहले मुलाना गद्दी पर उन के गुरु चंद्रकांता महंत थी कुछ साल पहले उन की मृत्यु के बाद अब हिना किन्नर इस गद्दी पर बैठी है। इस समय उन के साथ तीन किन्नर और भी है। डेरे में किन्नरों की संख्या काम के हिसाब से घटती बढ़ती रहती है। हिना कहती है कि वह पूजा पाठ में विश्वास करती है। वह इंसानियत को भी महत्वपूर्ण मानती है। सुबह उठकर पूजा पाठ कर उन की दिनचर्या शुरू होती है। उस के बाद वह बधाई के लिए निकल जाते हैं। किन्नर समाज बहुचरा देवी की भक्ति करता है। बहुचरा देवी उन की कुल देवी है । उन की उन में विशेष आस्था है। बहुचरा देवी जिन्हें मुर्गे वाली माता कहा जाता है और उन का स्थान उज्जैन में है। साल में एक बार मेले का आयोजन होता है। जहां वह कामना करते हैं कि उन्हें दोबारा यह किन्नर जन्म प्राप्त न हो। वहां आयोजित मेले में किन्नर एक दूसरे से मिलते है।

धर्म पद्धति के अनुसार होता है संस्कार

पहले समाज मे एक धारणा था कि किंनर समाज मे जब किसी की मृत्यु होती है तो उसे ताड़ना दी जाती है। यहां तक की उस का अंतिम संस्कार गुप्त रखा जाता है।मृतक का अग्निदाह किया जाता था या उसे दफन किया जाता था । यहां कहा जाता रहा है कि मृतक किन्नर को जूतियों चप्पलों से पीटा जाता है। इस के पीछे यह भी धारणा थी कि की वह दोबारा पृथ्वी पर किन्नर के रूप में पैदा न हो।अब इस धारणा के बारे में हिना कहती है कि यह पुरानी बात रही होगी अब ऐसा नहीं है। यदि मृतक किन्नर हिन्दू है तो उस का अन्तिम संस्कार हिन्दू पद्धति के अनुसार होगा और यदि मुस्लिम है तो उस का अंतिम संस्कार मुस्लिम पद्धति से होगा।

सीएम से व्यापारियों के लिए मांगी सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

हरियाणा व्यापार मंडल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर सरकार से व्यापारियों को दूसरे राज्यों की तर्ज पर रियायत देने की मांग की गई है। पत्र में मुख्यमंत्री नायब सैनी से मांग की गई है कि केंद्र सरकार के आदेश पर अनेक राज्यों को ई.वे बिल पर दी गई छूट को हरियाणा में भी दिलाया जाए। जीएसटी कानून में इन्ट्रा स्टेट परिवहन के मामले में कुछ राज्यों में बिहार 1 लाख रु तक ई.वे बिल की आवश्यक नहीं, छत्तीसगढ एक जिले से दूसरे जिले में माल परिवहनित करने पर चाहे राशि कुछ भी हो कुछ विशेष माल को छोडकर, झारखंड 1 लाख रु तक ई.वे बिल की आवश्यकता नहीं है, मध्यप्रदेश कुछ निदिष्ट माल को छोडकर शेष माल पर एक जिले से दूसरे जिले में परिवहन करने पर चाहे माल का मूल्य कुछ भी हो ई.वे बिल की आवश्यकता नहीं है, महाराष्ट्र 1 लाख रु तक ई.वे बिल की आवश्यक नहीं है, राजस्थान इन्ट्रास्टेट के मामले में 1 लाख रु तक ई.वे बिल की आवश्यकता नहीं है, उत्तराखण्ड लाख तक ई.वे बिल की आवश्यकता नहीं, पशिचम बंगाल में 1 लाख रु तक ई.वे बिल की आवश्यकता नहीं, गुजरात 19 वस्तुओं को छोडकर शेष पर अनिवार्य नहीं है।

मुख्यमंत्री को पत्र भेजने वालों में हरियाणा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विजय लक्ष्मी चन्द गुप्ता व प्रदेश प्रवक्ता सुरेश काबरा शामिल हैं।

खबर संक्षेप

इग्नू ने एमबीए का नया पाठ्यक्रम लॉन्च किया

यमुनानगर। इग्नू ने एग्री बिजनेस मैनेजमेंट में एमबीए का नया पाठयक्रम लॉंच किया है। उक्त जानकारी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक एवं प्रभारी डॉ. धर्मपाल ने दी है। उन्होंने बताया कि इग्नू द्वारा लॉंच किए गए इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य मैनेजमेंट के ऐसे युवाओं को तैयार करना है। जिनसे कृषि व्यवसाय और किसानों की आमदनी को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

चचेरे भाई के हाथ तोडे केस दर्ज

पानीपत। सत करतार कालोनी निवासी कृष्णपाल पर उसके चचेरे भाई सुदामा ने अपने चार साथियों संग मिलकर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपितों ने लोहे के पाइप से न केवल हाथ पैर, बल्कि सिर तक पर भी वार किए। हमले में कृष्णपाल के दोनों हाथों में फ्रैक्चर तक हो गया। वहीं घायल की शिकायत पर थाना मॉडल टाउन पुलिस मौके पर पहुंची। जबकि दोस्त सुनील ने उसे नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रभु देवनारायण का स्मृति दिवस आज

पानीपत। वीर गुर्जर समाज के रोशन लाल छौक्कर चेयरमैन, योगेश, जयपाल छौक्कर, राजकुमार व जिले सिंह ने बैठक करके जानकारी देते हुए बताया की वीर गुर्जर समाज के तत्वावधान में 23 जून को सुबह नौ बजे देवनारायण भगवान की 1112वां स्मृति दिवस धूमधाम से गुर्जर भवन पानीपत में मनाया जाएगा।

28 जून तक चलाया जाएगा विशेष सफाई अभियान

यमुनानगर सिटी की सड़कें और गलियां होगी चकाचक

हर रोज दोपहर बाद दो बजे से पांच बजे तक निगम के हर वार्ड में स्थान चिह्नित कर सफाई की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

ट्वीन सिटी (यमुनानगर-जगाधरी) की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम प्रशासन ने शनिवार को विशेष सफाई अभियान का शुभारंभ किया है। यह सफाई अभियान 28 जून तक जारी रहेगा। जिन स्थानों पर अधिक गंदगी है। नगर निगम द्वारा पहले उन स्थानों की सफाई की जाएगी। अभियान के दौरान शहर की सड़कों व गलियां चकाचक की जाएंगी।

शनिवार को नगर निगम की टीम ने जगाधरी की पुरानी अनाज मंडी समेत कई स्थानों पर सफाई कर गंदगी को पूरी तरह साफ कर गलियों को चकाचक किया। सीएसआई हरजीत सिंह ने बताया कि निगम आयुक्त आयुष सिन्हा के निर्देशों पर शहर में विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है। विशेष सफाई अभियान के तहत प्रत्येक वार्ड की सड़कों, गलियों, सार्वजनिक स्थानों पर गहनता से सफाई की जाएगी। इस दौरान निगम की विशेष टीम सफाई करेगी। हर रोज दोपहर बाद दो बजे से पांच बजे तक निगम के हर वार्ड में स्थान चिह्नित कर सफाई की जाएगी। इसके लिए ऐसे स्थानों का चिह्नित किया जाएगा जहां सफाई कम होती है और गंदगी अधिक है। इस दौरान सफाई निरीक्षक प्रदीप दहिया की आगुवाई में टीम ने भी निगम के वार्ड नंबर दो में पुरानी अनाज मंडी समेत कई स्थानों पर सफाई अभियान चलाया।

यमुनानगर। नगर निगम प्रशासन द्वारा शुरु किए गए विशेष सफाई अभियान के तहत साफ सफाई करते निगम कर्मचारी।

शहर को साफ और सुंदर रखने के किए जा रहे प्रयास

नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने कहा कि हमारा शहर साफ व सुंदर बने। इसके लिए हम लगातार बेहतर प्रयास कर रहे हैं। शहर को साफ व सुंदर बनाने के लिए निगम द्वारा विशेष अभियान चलाया गया है। जल्द ही निगम द्वारा शहरवासियों को सफाई व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न संस्थाओं की मदद से जागरूकता रैली, स्कूली बच्चों के माध्यम से स्वच्छता पर निबंध लेखन व अन्य स्वच्छता संबंधित प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर को साफ व स्वच्छ बनाने के लिए अनेक कार्य कर रहा है। उन्होंने शहरवासियों व संस्थाओं को भी नगर निगम की इस मुहिम में अपना सहयोग देने की अपील की। उन्होंने नागरिकों को अपने घरों से निकलने वाले कचरे को खुले व नालों में न फेंक कर डस्टबिन में डालने और शहर को स्वच्छ बनाने में निगम का सहयोग करने के लिए आहवान किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद की पुण्यतिथि मनाई

- भाजपा मंडल रादौर ने कस्बा में किया कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

यमुनानगर। रादौर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यक्रम में भाग लेते भाजपा कार्यकर्ता। *फोटो: हरिभूमि*

भाजपा मंडल रादौर के कार्यकर्ताओं द्वारा कस्बा में कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश सैनी ने की। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा कार्यकर्ता राजीव आर्य सन्नी व अमित कांबोज ने किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश सैनी, राजीव आर्य सन्नी व अमित कांबोज बुबका आदि ने बताया कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कलकत्ता में एक सम्पन्न परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम आशुतोष मुखर्जी था। ये अपने पिता की तरह बहुत कुशाग्र बुद्धि के व्यक्ति थे। वे 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता यूनिवर्सिटी के कुलपति बने। 1942 में बंगाल में मुस्लिम लीग की राजनीति से दूषित वातावरण के खिलाफ संघर्ष किया तो ब्रिटिश सरकार ने इन्हें जेल में डाल दिया। ये देश के विभाजन के कट्टर विरोधी थे। इनका मत था कि हिन्दू, मुस्लिम रक्त गुण से एक हैं। सरदार पटेल के अनुरोध पर वे भारत के प्रथम उद्योग मंत्री बने। परंतु राष्ट्रीय हितों के विषयों पर कांग्रेस से मतभेद पर इन्होंने त्यागपत्र दे दिया और अक्तूबर 1951 को जनसंघ की स्थापना की। जो बाद में 6 अप्रैल 1980 को बीजेपी में परिवर्तित हो गई। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू कश्मीर का भारत में पूर्ण विलय चाहते थे। वे धारा 370 के कट्टर विरोधी थे। एक देश में अलग झंडा, अलग संविधान को खत्म करना चाहते थे। उन्होंने भारत को एक करने का संकल्प लिए व बिना परमिट लिए जम्मू रवाना हो गए। वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया और जेल में डाल दिया गया। 23 जून 1953 में जेल में ही उनकी रहस्यमयी तरीके से मौत हो गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला घर से लापता

घर से 50 हजार नकद, आभूषण व अन्य सामान भी गायब

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

गांव चाहडवाला से एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। जांच करने पर घर से 50 हजार रुपए, सोने व चांदी के आभूषण तथा अन्य समान गायब मिला।

पुलिस ने मामले की जांच के बाद केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव चाहडवाला निवासी राकेश कुमार ने बताया कि वह मनियारी के सामान की फेरी लगाने का काम करता है। 25 मार्च 2015 को उसकी शादी गांव चंगनोली निवासी सपना के साथ हुई थी।

शादी के बाद उसके पास आठ वर्षीय बेटी व छह वर्षीय बेटा है। वह दोनों गर्मी की छुट्टियों में अपनी मासी के पास रहने के लिए गए हुए थे। 19 जून को जब वह बाइक पर मनियारी के सामान की फेरी लगाकर घर वापस आया तो घर का ताला लगा हुआ था। उसने अपनी पत्नी सपना की काफी तलाश की मगर वह नहीं आई। जब उसने दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर देखा तो घर से 50 हजार रुपए, सोने व चांदी के आभूषण तथा अन्य सामान गायब मिला। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

चोरी करने के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर लिया चार दिन का रिमांड

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

यमुनानगर। नलकूपों से बिजली की मोटरें चोरी करने के मामले में गिरफ्तार किए गए चार आरोपी। *फोटो: हरिभूमि*

किसानों के खेतों में लगे नलकूपों से बिजली की मोटरें चोरी करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने अभी तक 50 से 60 बिजली की मोटरें चोरी करने की वारदातें स्वीकार की हैं। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर चार दिन का रिमांड लिया है। आरोपियों से पूछताछ में अन्य चोरी की वारदातों का खुल्लासा होने की भी उम्मीद जताई जा रही है। मामले की जांच कर रहे पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा वन के प्रभारी यादविंद्र सिंह ने बताया कि पिछले काफी समय से जिले में किसानों के खेतों से बिजली की मोटरें चोरी होने की वारदातें हो रही थी। जिन पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस की टीमें जांच में लगी थी। जांच के दौरान पुख्ता सबूत मिलने पर पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा ने हमीदा हैड से खजूरी निवासी सुनील कुमार, लोकेश,नीरज व रजत को गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

वारदातों को कबूला

पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा वन के प्रभारी यादविंद्र सिंह ने बताया कि अभी तक आरोपियों ने करीब 50 से 60 बिजली की मोटरें चोरी करने की वारदातों को करना कबूल किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह नलकूपों से मोटरें चोरी करके उन्हें कबाड़ी को मात्र दो हजार रुपये में बेच देते थे। जबकि बाजार में उक्त बिजली की मोटर की कीमत 15 से 20 हजार रुपये है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गंदे पानी की निकासी नहीं होने किया प्रदर्शन

- रादौर की गीता कॉलोनी में गंदे पानी के नाले पर लंबे अर्से से क्षतिग्रस्त पड़ी है पुलिया
- क्षतिग्रस्त पुलिया होने से नाले से नहीं हो रही है गंदे पानी की निकासी

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

लंबे अर्से से रादौर की गीता कॉलोनी में पुलिया क्षतिग्रस्त होने से गंदे पानी की निकासी नहीं होने से परेशान कॉलोनी के लोगों ने प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कॉलोनी के लोगों के मुताबिक गंदे पानी की निकासी के लिए बनाए गए नाले पर पुलिया क्षतिग्रस्त पड़ी है। जिसकी वजह से गंदे पानी की निकासी नहीं होने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजकर लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने और क्षतिग्रस्त पुलिया को ठीक करवाकर पानी निकासी का प्रबंध करवाए जाने की मांग की। गीता कॉलोनी के दर्जनों लोग प्रधान अशोक गुंबर के नेतृत्व में कस्बा में एकत्र हो गए और प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कॉलोनी निवासी अशोक गुंबर,कृष्ण मक्कड, प्रदीप, फतेह पासवान, अनिल वर्मा, राजेश कुमार, पूनम, वीणा रानी व मुस्कान आदि ने बताया कि गीता कॉलोनी में पिछले दो महीनों से गंदे नाले पर बनाई गई पुलिया टूटी पड़ी हुई है। नाले की पुलिया टूटने से गंदे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। गंदा पानी कॉलोनी की गलियों में भरने लगा है। जिससे वातावरण दूषित हो रहा है।

यमुनानगर। रादौर की गीता कॉलोनी में प्रदर्शन करते हुए कॉलोनी के लोग।

जल्द ठीक करवाएंगे क्षतिग्रस्त पुलिया

नपा के जेई मंदीप सिहाग ने बताया कि गीता कॉलोनी के लोगों की समस्या का जल्द समाधान करवाया जाएगा। पुलिया की जल्द मरम्मत करवाकर पानी निकासी को सुचारू करवा दिया जाएगा। इस संबंध में संबंधित ठेकेदार को निर्देश दे दिए गए हैं।

सड़कों की रिपेयर पर खर्च होंगे 21 करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

चेयरमैन रमेश ठसका।

- जिला परिषद के चेयरमैन रमेश ठसका ने साढ़ौरा में आयोजित कार्यक्रम में दी जानकारी

जिला परिषद यमुनानगर को सरकार द्वारा सड़कों की रिपेयर के लिए 21 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। उक्त जानकारी जिला परिषद के चेयरमैन रमेश ठसका ने शनिवार को साढ़ौरा में आयोजित एक कार्यक्रम दी। परिषद के चेयरमैन रमेश ठसका ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा जिला परिषद की 43 सड़कों की विशेष रिपेयर के लिए लगभग 21 करोड़ रुपये की राशि की स्वीकृति प्रदान की है। चेयरमैन रमेश ठसका ने बताया कि सड़कें हरियाणा राज्य कृषि विपणन मण्डल से जिला परिषद यमुनानगर में स्थानांतरित हुई थी। इसके अतिरिक्त सड़कों के गड्ढों को भरने के लिए वार्षिक रिपेयर के तहत 28 सड़कों के लिए भी सरकार द्वारा लगभग 44 लाख रुपये की स्वीकृति जिला परिषद को दी गई है। जिनके टेंडर लगाने का कार्य भी जिला परिषद द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया से किया जा रहा है।

आंदोलनों में भाग लेंगे कर्मचारी: बालू

- अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की जिला कार्यकारिणी की आयोजित हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

यमुनानगर। फव्वारा चौक के नजदीक स्थित कार्यालय में बैठक करते हुए अनुबंधित कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ जिला यमुनानगर की बैठक शनिवार को शहर के फव्वारा चौक स्थित बिजली निगम कार्यालय परिसर में आयोजित हुई। बैठक में मुख्यातिथि के रुप में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश बालू ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष आशीष धीमान ने की। मुख्यातिथि एवं भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश बालू के समक्ष अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष आशीष धीमान ने अनुबंधित बिजली कर्मचारियों की समस्याओं को रखा और समाधान करवाए जाने की मांग रखी। जिस पर प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश बालू ने कहा अगले महीने में संगठन पूरे जोर शोर से कर्मचारियों की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि अगामी 4 जुलाई को अधीक्षक अभियंता के माध्यम से कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिसमें पूरे जिले के कर्मचारी हिस्सा लेंगे। इसके बाद 15 जुलाई को जिला यमुनानगर के अंतर्गत आने वाले चारों विधानसभा के विधायकों को ज्ञापन सोपा जाएगा। जिसमें कर्मचारी बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। इसके बाद 16 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास पर यूनियन द्वारा ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस दौरान यदि उनकी मांगों को नहीं मानी गई तो 29 जुलाई को करनाल में बहुत बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

मौके पर जिला सचिव रजत चौधरी ने कहा सरकार उनकी मांगो पर गंभीरता नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा कि अब परेशान होकर अनुबंधित कर्मचारी जुलाई के महीने में आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर हैं। जिसकी जिम्मेवारी सररकार की होगी। इस अवसर पर प्रदेश सचिव राज ठाकुर, जसविंदर ढुहन ,सुभाष राणा, सुरेश अंसल, राहुल कांबोज, प्रिंस बिंद्रा व नरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्रता सेनानी गणेश घोष का मनाया जन्मदिवस

- शहीद भगत सिंह मोर्चा ने आयोजित किया कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

शहीद भगत सिंह मोर्चा द्वारा कस्बा में कार्यक्रम आयोजित कर क्रांतिकारी एवं महान स्वतंत्रता सेनानी गणेश घोष का जन्मदिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा के अध्यक्ष रणधीर सिंह चौधरी ने की। मौके पर क्रांतिकारी गणेश घोष के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। मोर्चा के अध्यक्ष रणधीर सिंह चौधरी ने बताया कि गणेश घोष एक महान स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी और राजनीतिज्ञ थे। मानिकतल्ला बम कांड के सिलसिले में उन्हें गिरफ्तार किया गया। वह 1928 में जेल से बाहर निकले और कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में भाग लिया। 1946 में गणेश घोष कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य बन गए। वह 1952 में बंगाल विधानसभा के और 1967 में लोकसभा के सदस्य चुने गए। गणेश घोष का जन्म 22 जून 1900 में ब्रिटिशकालीन भारत में बंगाल में हुआ था। विद्यार्थी जीवन में ही वे स्वतंत्रता संग्राम में सम्मिलित हो गए थे। गणेश घोष 1952 में बंगाल विधान सभा के और 1967 में लोकसभा के सदस्य चुने गए। घोष का निधन 16 अक्टूबर 1994 को कोलकाता में हुआ था।

अभियान

पुलिस टीमें लोगों को कर रही हैं बुराई से दूर रहने के लिए जागरुक

जिलेभर में चलाया जा रहा है नशामुक्त भारत पखवाड़ा अभियान

नशामुक्त अभियान की सफलता के लिए सभी आमजन करें सहयोग: अनंतराम

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

यमुनानगर। पुलिस प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्त भारत पखवाड़ा अभियान में लोगों को जागरुक करते हुए पुलिस टीम। *फोटो: हरिभूमि*

जिला पुलिस प्रशासन द्वारा नशामुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के तहत पुलिस की टीमों ने जिले के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नाशा जैसी बुराई से स्वयं व दूसरों को दूर रखने के लिए जागरुक किया। इस दौरान पुलिस टीमों ने युवाओं, बच्चों व लोगों को नशामुक्त अभियान में सहयोग करने की अपील की और उन्हें नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गई। नशामुक्त पखवाड़ा अभियान के तहत थाना सदर पुलिस ने थाना प्रभारी अनंतराम के नेतृत्व में गांव मानकपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान थाना प्रभारी अनंत राम ने युवाओं तथा आम जन को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस नशे के खिलाफ विशेष मुहिम छेड़े हुए है। इस मुहिम की संपूर्ण सफलता के लिए समाज के सभी लोग आगे आकर इस जन आंदोलन के भागीदार बनें। उन्होंने सभी को आहवान किया कि पुलिस प्रशासन द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लें।

अपराधों की जड़ है नशा

रादौर थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह के नेतृत्व में कस्बा स्थित जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह ने युवाओं तथा आमजन को बताया कि नशा एक सामाजिक बुराई है तथा अपराधों की जड़ है। इसलिए युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा तथा खेलकूद में अपनी बेहतर प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपने मां बाप के सपनों को साकार करें और इलाके के नाम को रोशन करें। जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने शहर के फव्वारा चौ, स्टेशन चौक व प्यारा चौक पर कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को नशा जैसी बुराई से दूर रहने की अपील की। इस दौरान सेल की टीम ने लोगों को नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अहम भूमिका निभाने का आह्वान किया तथा अपने बच्चों की गतिविधियों पर निगाह रखने की हिदायत दी। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने उपस्थित लोगों को नशे का कारोबार करने वाले लोगों के बारे में पुलिस को सूचित करने को कहा ताकि नशे के सौदागरों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सके।

युवाओं ने पूर्णगढ़ में लगाई छबील

- छबील पर दिन भर युवाओं ने राहगीरों को पिलाया ठंडा मीठा जल

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

यमुनानगर। गांव पूर्णगढ़ में मीठे पानी की छबील पर राहगीरों को पानी पिलाते युवा।

गांव पूर्णगढ़ के युवाओं ने शनिवार को मौसम में गर्मी की तपिश होने से ठंडे मीठे जल की छबील लगाई। इस दौरान युवाओं ने दिन भर राहगिरों को ठंडा मीठा जल पिलाकर पुण्य कमाया। पूर्णगढ़ गांव के युवा राहुल सैनी, विनय सैनी, कुणाल सैनी, हर्ष सैनी व दीपांशु सैनी आदि ने बताया कि हर वर्ष गांव के युवा गंगा दशहरा व निर्जला एकादशी को लेकर जून के महीने में छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाने का काम करते हैं। जिसमें गांव के लोग तनमनधन से सहयोग करते हैं। इस बार भी गांव में शनिवार को छबील लगाई गई है। ताकि गर्मी की तपिश में राहगिरों को ठंडा मीठा जल पिलाकर उनकी प्यास बुझाई जा सके। मौके पर रिशु सैनी, अहम सैनी, आर्यन सैनी, हिमांशु कबीर, अंकित कबीर, गुरदीप कबीर, भव्य सैनी, जतिन कबीर, गौतम सैनी, अरुण सैनी, विशाल सैनी, रितिक सैनी, हर्ष, डॉ.कृष्ण सैनी, राघव सैनी, साहिल सैनी, जावेद खान, वसीम खान, काला कबीर, प्रभात सैनी, संदीप सैनी उर्फ भोला, मोहित सैनी, वजिंदर कबीर व नीरज सैनी आदि ने सहयोग किया।

संत कबीर जयंती पर लगाया रक्तदान शिविर

18 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

कुरुक्षेत्र। शिविर में रक्तदान करते रक्तदाता। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

संत कबीर जयंती के उपलक्ष्य में सर्व समाज कल्याण सेवा समिति द्वारा एलएनजेपी अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता सेवानिवृत्त मुख्य तकनीकी अधिकारी नरेश सैनी ने की। शिविर में 18 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर पुण्य कमाया। समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने बताया कि अस्पतालों में रक्त कि कमी को पूरा करने में हमेशा प्रयासरत रहती है। उसके प्रयासों से रक्तदान शिविर लगाने से शहर में स्वैच्छिक रक्तदाताओं की संख्या भी बढ़ी है। शिविर के संचालन में समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष कर्मबीर सैनी, तरूण वधवा, अजीत व करनैल ने सहयोग किया। रामेश्वर सैनी ने कहा कि रक्तदान से शरीर में किसी भी प्रकार की कमजोरी नहीं आती है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को हर तीन महीने में रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान से शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है। अगर कोई व्यक्ति रेग्युलर तौर पर ब्लड डोनेट करता है तो उसके शरीर में कॉलेस्ट्रोल और लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रोल का लेवल कम होता है जिससे कार्डियोवस्क्युलर डिजीज यानी दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बेहद कम हो जाता है। शिविर में प्रयोगशाला सहायक कुलदीप ने अपने जन्मदिन पर रक्तदान किया। समिति के पदाधिकारियों ने केक काटकर कुलदीप को जन्मदिन की बधाई दी। शिविर में अजीत, नरेंद्र, विक्की, आसमान, अमित, रमेश, सतीश, पुलकित, कुलदीप, रमेश, नवजोत, अजायब, अजय, संदीप व नसीब सहित 18 रक्तदाताओं ने रक्तदान दिया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भगवान सूर्य की आराधना से कष्ट होते दूर : रंगनाथ

कुरुक्षेत्र। श्री संस्कार जागृति सेवा संस्थान शीला नगर में 10 दिवसीय कष्ट निवारण अनुष्ठान आज आरंभ हो गया है। इस यज्ञ में काशी, अयोध्या से आए आचार्य रंगनाथ शास्त्री, आचार्य जितेन्द्र झा, सोनू पांडेय, दिलीप शास्त्री, पंडित नीरज मिश्र, एवं अन्य पंडित मौजूद रहे। अनुष्ठान के यजमान सोनल मित्तल एवं सौरभ मित्तल ने सप्तधृत मातृका, नवग्रह एवं वरुण देवता का पूजन विधि विधान से किया। रंगनाथ शास्त्री ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार महामृत्युंजय मंत्र को चमत्कारी मंत्र कहा जाता है। इस मंत्र का जाप करने से रोग, दोष और भय से मुक्ति मिल जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस मंत्र का जाप करने से अकाल मृत्यु का डर खत्म हो जाता है। इस दौरान गो गीता गायत्री सत्संग सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष अनिल शास्त्री, सरिता देवी, बालकृष्ण शर्मा, दक्ष गुप्ता, अन्नू पांडेय, जिज्ञासा, वीना मुंजाल एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे।

ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में संगत ने नवाया शीश

श्रीगुरु हरगोबिंद साहिब जी महाराज के प्रकाश पर्व पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

समागम में हर तरफ शबद कीर्तन और वाहेगुरु सिमरन की गूंज सुनाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। प्रकाश उत्सव समागम में शीश नवाती संगत व भूपिंदर सिंह का अभिनंदन करते चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल व अन्य।

मीरी-पीरी के मालिक साहिब श्रीगुरु हरगोबिंद साहिब जी महाराज के चरण स्पर्श प्राप्त ऐतिहासिक स्थल गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में गुरु साहिब के प्रकाश उत्सव पर श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। हरियाणा प्रदेश के अलावा दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब सहित अन्य राज्यों से पहुंची संगत ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के समक्ष शीश नवाया। समागम में हर तरफ शबद कीर्तन और वाहेगुरु सिमरन की गूंज सुनाई देती रही। समागम के अंतिम दिन शनिवार को गुरुद्वारा साहिब में चल रही श्री अखंड पाठ साहिब जी की तीसरी लड़ी के भोग पाए गए। पूर्व हैड ग्रंथी भाई गुरदास सिंह ने गुरु चरणों में अरदास की, जबकि मंच का संचालन हैड ग्रंथी भाई सिमरनजीत सिंह ने किया। श्री अखंड पाठ साहिब जी के भोग उपरांत संगत में प्रसाद वितरित किया गया। इसके अलावा ऐतिहासिक गुरुद्वारा सातवी पातशाही साहिब में अमृत संचार करवाया गया। कार्यक्रम में श्री दरबार साहिब श्री हरमंदिर साहिब श्री अमृतसर के हजूरी रागी भाई शुभदीप सिंह व प्रसिद्ध रागी भाई जगप्रीत सिंह खन्ने वाले ने शबद कीर्तन किया, जबकि धर्म प्रचार के कविशरी गुरमीत सिंह दनौली व धर्म प्रचार के ढाडी भाई लखविंदर सिंह पारस ने संगत को गुरु इतिहास से जोड़ा। इसके अलावा कथावाचक गुरप्रीत सिंह व बाबा अमरीक सिंह ने कथा करते हुए संगत को श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी महाराज के जीवन प्रसंग सुनाए। समागम में संत बाबा कश्मीर सिंह भूरी साहिब वालो के जत्थेदार रणजोध सिंह, संत बाबा अमरीक सिंह पटियाला वालो के जत्थेदार बाबा रूबि, बाबा शुबेग सिंह के जत्थेदार बाबा दर्शन सिंह कार सेवा वाले, हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुदर्शन सिंह सहगल, कनिष्ठ उपप्रधान बीबी रविंदर कौर अजराना, धर्म प्रचार चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल, स्पोकसमैन कवलजीत सिंह अजराना, कार्यकारिणी समिति मैंबर टीपी सिंह, जत्थेदार बलदेव सिंह खालसा, सुदर्शन सिंह गावड़ी, परमजीत सिंह माखा, गुरिंदरजीत सिंह जींद, एचएसजीएमसी के पूर्व महासचिव गुरविंदर सिंह धमीजा सहित अन्य ने हाजिरी भरी।

कार सेवा वाले संत महापुरुषों व प्रबंध का मोर्चा संभालने वाले कर्मचारियों को किया सम्मानित

सात दिवसीय प्रकाश पर्व समागम में सहयोग करते हुए अलग-अलग पकवानों के लंगर लगाने की सेवा में तत्पर जुटे रहने वाले संत बाबा अमरीक सिंह पटियाला वाले, संत बाबा कश्मीर सिंह भुरी साहिब वाले, बाबा शुबेग सिंह कार सेवा वालो के प्रतिनिधियों को हरियाणा कमेटी के प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह अंसध ने सिरोपा व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही कार्यक्रम में प्रबंध का मोर्चा संभालने वाले चीफ सैकेटरी जसविंदर सिंह दीनपुर, धर्म प्रचार के सचिव सरबजीत सिंह, एडिशनल सैकेटरी राजपाल सिंह दुनियामाजरा, सतपाल सिंह ढाचर, उप सचिव रूपिंदर सिंह, कुलदीप सिंह भानोखेड़ी, अमरिंदर सिंह, पीए बलजीत सिंह चट्ठा, गुरुद्वारा साहिब पातशाही पहली व दसवीं के मैनेजर हरकीरत सिंह, मैनेजर हरमीत सिंह, हैड आफिस के रिकार्ड कीपर कुलदीप सिंह, सुखविंदर सिंह सहित अन्य कर्मचारियों को भी प्रधान साहिब ने सिरोपा भेंट कर उनका हौंसला बढ़ाया

छोटे बच्चों ने रचना सुनाकर संगत को किया मंत्रमुगध

कक्षा छठी में पढ़ने वाली छात्रा अंशप्रीत कौर व उसके भाई कक्षा सातवीं के छात्र हरमिलाप सिंह ने समागम के दौरान संगत के समक्ष प्रस्तुति दी। दोनों बच्चों ने न तीरां तों न तलवारां तों, सिख कौम डरे बस गद्दारां तों... प्रस्तुति दी, तो दरबार साहिब में मौजूद संगत ने उनकी खूब प्रशंसा की। समागम में मौजूद अतिथिगणों ने बच्चें के पिता हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट के उप सचिव एवं गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी के पूर्व मैनेजर अमरिंदर सिंह धंतौड़ी एवं माता गुरमीत कौर की हौंसला अफजाई करते हुए संगत से आह्वान किया हम सब को अपने बच्चों को ऐसी शिक्षा देते हुए गुरमत ज्ञान देना चाहिए।

हरियाणा कमेटी ने बाखूबी कार्य किया

संस्था के प्रधान भूपिंदर सिंह असंध ने गुरु महाराज के प्रकाश पर्व की संगत को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरियाणा कमेटी प्रदेश के सिखों की संस्था है। प्रदेश भर में धर्म प्रचार के लिए एचएसजीएमसी संकल्पकृत्त है। हरियाणा कमेटी का उद्देश्य ही सिख कौम के हित है। अभी तक हरियाणा कमेटी ने बाखूबी कार्य किया है और भविष्य में भी करती रहेगी। धर्म प्रचार के चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल ने संगत को श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हम सब को गुरबाणी की शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। स्पोकसमैन कवलजीत सिंह अजराना ने समागम में पहुंची संगत का आभार जताते हुए कहा कि इतना बड़ा कार्यक्रम में संगत के सहयोग से सफल हुआ है। उन्होंने कार्यक्रम में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों का हौंसला भी बढ़ाया। इस दौरान श्री गुरु तेग बहादुर सेवक जत्था गुरुद्वारा शीशगंज साहिब दिल्ली, शबद चौकी जत्था, श्री गुरु तेग बहादुर सेवक जत्था, श्री सुखमणि साहिब सेवा सोसायटी गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी व गुरुद्वारा पटा साहिब, श्री गुरु ग्रंथ साहिब सेवा सोसायटी, हेमकुंट सेवा सोसायटी, भाई तारू सिंह सेवा दल, हरि के सेवक जत्था, स्त्री सत्संग सभा गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी व सातवीं, गुरु नानक सीनियर सैकेडरी स्कूल विशेष रूप से सहयोग किया। उधर समागम के दौरान गुरुद्वारा साहिब के परिसर में संगत द्वारा अनेक प्रकार के मिष्ठान पकवानों के स्टाल लगाए गए। इसके अलावा ठंडे पानी और जलजीरा की छबील भी लगातार चलती रही। यही नहीं, दिल्ली से पहुंची संगत ने लंगर में अपना भरपूर सहयोग दिया।

योग, व्यायाम और जीवनशैली में बदलाव से कर सकते हैं डायबिटीज से बचाव : डॉ. अनेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

डा. आशीष अनेजा।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के हेल्थ सेंटर के एडमिनिस्ट्रेटर, गैपियो सदस्य, आरएसएसडीआई मेंबर एवं मेडिकल ऑफिसर, डॉ. आशीष अनेजा के द्वारा डायबिटीज के बारे मे लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि आज के समय में डायबिटीज होना कोई बड़ी बात नहीं है। डायबिटीज एक ऐसी बीमारी या स्थिति है, जो एक बार किसी व्यक्ति को हो जाए तो जीवन भर बनी रहती है। पहले यह बीमारी केवल बड़े लोगों को ही होती थी, लेकिन अब युवा और बच्चे दोनों ही इसकी चपेट में आ रहे हैं। यह एक मेटाबॉलिक डिसऑर्डर है, जिसमें शरीर के रक्त में ग्लूकोज या शुगर का स्तर काफी बढ़ जाता है। अगर शरीर में पर्याप्त इंसुलिन नहीं है, तो ग्लूकोज रक्त कोशिकाओं तक नहीं पहुंच पाता और यह रक्त में जमा हो जाता है। रक्त में मौजूद अतिरिक्त शुगर आपके लिए हानिकारक साबित हो सकती है। मधुमेह में प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर के खिलाफ काम करती है और अग्न्याशय में इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं पर हमला करती है। इस प्रकार का मधुमेह आनुवंशिक या पर्यावरणीय कारकों के कारण हो सकता है। मधुमेह एक चयापचय विकार है जो इंसुलिन प्रतिरोध की विशेषता है जहां शरीर इसका प्रभावी ढंग से उपयोग करने में असमर्थ है। यह स्थिति कई कारकों के कारण होती है, जैसे-बढ़ती उम्र, मधुमेह का पारिवारिक चिकित्सा इतिहास, शारीरिक गतिविधि की कमी, मोटापा, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल या ट्राइग्लिसराइड्स, पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम, तनाव या अवसाद, गर्भावधि मधुमेह, धूम्रपान जैसी जीवनशैली की आदत, मधुमेह होने और शरीर में रक्त शर्करा के स्तर के बारे में जानना।

भागवत कथा साक्षात श्रीहरि का स्वरूप : द्वारिका प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानेसर

प्रवचन करते आचार्य द्वारिका प्रसाद मिश्रा।

पिहोवा रोड स्थित गांव मुकीमपुरा के शिव मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत के दूसरे दिन कथा व्यास आचार्य श्रीद्वारिका प्रसाद मिश्रा ने कहा कि धर्म एवं अपनी संस्कृति को बचाने के लिए यदि मनुष्य को अपने प्राणों का बलिदान भी देना पड़े तो यह किसी भक्त और श्रद्धा से कम नहीं है। क्योंकि यदि धर्म और संस्कृति नहीं रही तो ऐसा जीवन जीने का क्या लाभ। धर्म और संस्कृति ही जीवन को सतमार्ग के लिए ले जाती है। धर्म नीति बनाते हैं और संस्कृति उसको संजोकर रखती है। इसलिए धर्म और संस्कृति जीवन के दो पहिए हैं जिनके आधार पर ही हम अपना जीवन जिए तो कल हमारा बेहतर होगा। इस अवसर पर यजमान पूर्ण सिंह उनके सुपुत्र मनोज कुमार, विनोद कुमार आदि रहे। विद्वान ब्राह्मणों द्वारा आचार्य रमेश उनियाल, पंडित मनोज मिश्रा, अंबिका मिश्रा, मंगलेश डोभाल, रोहित सेमवाल ने विधिवत रूप में भागवत महापुराण की पूजा अर्चना करवाई।

दर्शनशास्त्र विभाग में विद्यार्थियों ने किया योगाभ्यास

- कार्यशाला का आयोजन आचार्य शीलक राम के मार्गदर्शन में जारी
- कार्यशाला का समापन 29 जून को होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। योग करते विद्यार्थी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अंतर्गत दर्शनशास्त्र- विभाग में पंद्रह दिवसीय गहन योगाभ्यास कार्यशाला का आयोजन आचार्य शीलक राम के मार्गदर्शन में जारी है। पंद्रह जून से शुरू हुई इस योगाभ्यास कार्यशाला का समापन 29 जून को होगा। दर्शनशास्त्र -विभाग की अध्यक्षा प्रोफेसर अनामिका गिरधर ने बताया कि यम और नियम के अभ्यास के साथ विविध प्रकार के आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, मुद्रा, बंध, षट्कर्म का अभ्यास महर्षि पतंजलि, महर्षि व्यास, स्वात्माराम योगी, महर्षि घेरंड,स्वामी दयानंद, योगी अयंगर, ओशो तथा बिहार स्कूल आफ योग द्वारा निर्देशित जानकारी अनुसार अभ्यास करवाया जा रहा है। प्रतिदिन नये -नये ढंग से विविध अभ्यास करवाए जा रहे है। कार्यशाला में योगाभ्यास की प्रत्येक बारीकी और गूढता का सनातन भारतीय योगाभ्यास की मर्यादा तथा आधुनिक चिकित्सकीय प्रणाली को ध्यान में रखते हुए अभ्यास करवाया जा रहा है।

हरियाणा लाइब्रेरी एसोसिएशन ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन, कई मांगे रखी

कुरुक्षेत्र। ज्ञापन सौंपते हरियाणा लाइब्रेरी एसोसिएशन के पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

कुरुक्षेत्र। हरियाणा सरकार के कॉलेजों और जिला पुस्तकालयों में वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष के पद के लिए योग्यता का पुनर्वर्गीकरण और संशोधन पिछले चार दशकों से लंबित है। हरियाणा लाइब्रेरी एसोसिएशन ने राज्य मंत्री सुभाष सुधा के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी को इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया है। वर्तमान में, हरियाणा एजुकेशन कॉलेज ग्रेड सर्विस रूल्स, 1986 के अनुसार, वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष के पद के लिए 'द्वितीय श्रेणी के स्नातक और द्वितीय श्रेणी के मास्टर ऑफ लाइब्रेरी साइंस' की आवश्यकता होती है, जो एक पुराना मानदंड है। इस पुराने नियम के कारण योग्य पेशेवरों की भर्ती में अड़चन आ रही है और पिछले चार दशकों में किसी भी वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष की सीधी भर्ती नहीं हुई है। डिजिटल पुस्तकालयों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्षम व्यक्तियों की नियुक्ति आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ. रुपेश गौड़, अध्यक्ष, डॉ. अजय कुमार अरोड़ा, महासचिव, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

योग से होने वाले फायदों के बारे में करवाया अवगत

शाहबाद। सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिसमें स्कूल के सभी टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टॉफ ने भाग लिया। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. आरएस घुम्मन ने सभी को योग से होने वाले फायदों के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि आज के समय में हम योग द्वारा अपनी इम्युनिटी क्षमता बढ़ाकर अपनी सुरक्षा कर सकते हैं। योग करने से मन, बुद्धि व शरीर स्वस्थ रहता है। अच्छे जीवन के लिए योग अति अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है।

सारंगी की धुन से महकी कला परिषद की शाम

- इंद्र सिंह लाम्बा और उनकी टीम द्वारा विश्व संगीत दिवस के अवसर पर प्रस्तुतियां दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। सारंगी की प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो: हरिभूमि

संगीत का जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है। संगीत के बिना जीवन अधुरा माना जाता है। संगीत न केवल मनोरंजन का साधन माना जाता है, बल्कि संगीत से जीवन रंगीन और आनंदमय बनता है। भारतीय संगीत विविधता में बहुत धनी है, जिनमें शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत, पॉप म्यूजिक, फिल्मी संगीत शामिल हैं। संगीत के बिना मानव जीवन की कल्पना करना नामुमकिन लगता है। ये कहना था हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा का। वे विश्व संगीत दिवस के अवसर पर हरियाणा कला परिषद द्वारा कला कीर्ति भवन के प्रांगण में आयोजित रागनी और सारंगीवादन कार्यक्रम के दौरान लोगों को सम्बोंधित कर रहे थे। भिवानी से लोकगायक इंद्र सिंह लाम्बा और उनकी टीम द्वारा विश्व संगीत दिवस के अवसर पर प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई। इस मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार एवं हिफा सदस्य चंद्रशेखर शर्मा, लोक कलाकार मनोज जाले, रंगकर्मी शिवकुमार किरमच आदि भी शामिल रहे। नागेंद्र शर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंटकर कलाकारों का स्वागत किया। मंच का संचालन विकास शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति सारंगीवादन की रही, जिसमें इंद्र सिंह लाम्बा की पूरी टीम ने सारंगी पर विभिन्न धुनों सुनाकर लोगों का मनोरंजन किया। इतना ही नहीं कलाकारों ने सारंगी के इतिहास के बारे में भी श्रोताओं को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सारंगी 600 साल पुराना साज है, जिसे लोक कलाकार सहेजकर युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं दूसरी प्रस्तुति में कलाकारों ने रागनी प्रस्तुत करते हुए वाहवाही बटौरी। प्रस्तुति देने वाले कलाकारों में प्रेमचंद, हरिकेश, राजेंद्र, इंद्र किठाना, कृष्ण कुमार, पवन कुमार, सन्नी लाम्बा आदि शामिल रहे।

29 गांवों में विकास पर लगाई जाएगी एक करोड़ 64 लाख की राशि: संदीप

पिहोवा। पूर्व मंत्री एवं विधायक सरदार संदीप सिंह ने कहा कि हलके के लगभग 29 गांवों में विकास कार्यों पर एक करोड़ 64 लाख 54 हजार रुपये की विकास राशि खर्च की जाएगी। प्रदेश सरकार ने पत्र जारी कर इस बजट को स्वीकृति दे दी है। जल्द ही इस राशि से इन गांवों में गलियों एवं चौपालों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गांव भेरियां, ठसका मीरांजी, सारसा, हरिगढ़ भौरख, मलिकपुर, जुरासी व रोहटी सहित दर्जनों ऐसे गांव हैं। जिनमें विकास कार्यों की सूची चुनाव से पहले सरकार के पास स्वीकृति के लिए भेजी गई थी। विधायक संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पूर्व में मुख्यमंत्री रहे केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल की सोच को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं।

2014 में कृष्ण बेदी ने 562 वोटों के अंतर से जीत हासिल की

लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के चलते कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साहित

गोपाल कृष्ण गुप्ता ▶▶| शाहबाद

रामकरण काला।

कृष्ण बेदी।

सुभाष कलसाना।

सुनीता नेहरा।

प्रेम हिंगाखेड़ी।

बाबूराम तुषार लुखी।

पवन हबाना

रोहताश रंगा।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन के चलते हल्का शाहाबाद के कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साहित नजर आ रहे है। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के साझे उम्मीदवार सुशील गुप्ता ने भाजपा के नवीन जिंदल को लगभग 11 हजार वोट से शिकस्त दी थी। शाहबाद विधानसभा सीट जिला की महत्वपूर्ण सीट है। शाहबाद 2009 में आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र बनने से पहले एक सामान्य सीट थी और हमेशा जाटों, पंजाबियों व ब्राह्मणों द्वारा जीती जाती थी। कांग्रेस ने 2005 और 2009 में इस सीट पर जीत हासिल की थी। हालांकि 2014 में नरेंद्र मोदी की लहर के कारण कृष्ण बेदी ने 562 वोटों के अंतर से यहा से जीत हासिल की थी।

वर्ष 2014 में भाजपा के कृष्ण कुमार ने इनेलो के रामकरण को 562 वोटों से हराया था। वर्ष 2009 में कांग्रेस के अनिल धंतौड़ी ने इनेलो के जितेंद्र कुमार को 3741 वोटों से हराया था और वर्ष 2005 में कांग्रेस के खैराती लाल ने इनेलो के ओंकार सिंह को 1912 वोटों से हराया था। वर्ष 2019 में शाहबाद विधानसभा सीट पर जेजेपी के रामकरण ने बीजेपी के कृष्ण कुमार को 37127 मतों के बड़े अंतर से हराया था।

आम आदमी पार्टी वर्करों में जोश

शाहबाद विस से आम आदमी पार्टी से रोहताश रंगा, आशा पठानिया और जय भगवान चिब्बा विधानसभा चुनाव में अपनी दावेदारी ठोक रहे हैं। लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार सुशील गुप्ता को हल्का शाहाबाद में 11 हजार वोट से विजय रहे हैं जिसके चलते शाहबाद हल्के में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

दावेदारों ने कसी कमर

विधानसभा चुनाव के मध्यनजर सभी पार्टियों से दावेदार सक्रिय हो गए है। विधानसभा चुनाव में भाजपा के दावेदारों में कृष्ण बेदी, पवन हबाना व सुभाष कलसाना शामिल है। जजपा से रामकरण काला के नामों की चर्चा है। कृष्ण बेदी चुनाव की तैयारियों में जुट गए है। वे लगातार शाहबाद विस की जनता से जनसंपर्क कर रहे है। वही समाजसेवी सुभाष कलसाना व पवन हबाना ने भी जनसंपर्क अभियान छेड़ा हुआ है। पवन हवाना हर समय हलके की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। इसके अलावा सुभाष कलसाना का नाम भी भाजपा के दावेदारों में शामिल है। सुभाष कलसाना हल्का के गांव हो या शहर हर व्यक्ति के सुख-दुख में खड़े नजर आ रहे हैं। उधर मौजूदा विधायक रामकरण काला भी चुनाव को लेकर सक्रिय हो गए है। स्थानीय विधायक रामकरण काला के दोनों पुत्र लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। चर्चा है कि विधायक रामकरण काला भी कांग्रेस में जा सकते है। अगर विधायक रामकरण काला कांग्रेस में चले जाते हैं तो वह शाहबाद से कांग्रेस के टिकट के प्रबल दावेदार माने जा रहे है। विधायक रामकरण काला फिलहाल जजपा में ही है। रामकरण काला ने वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में पूर्व मंत्री कृष्ण बेदी को सैतिस हजार से अधिक वोटों से हराया था। वही पूर्व विधायक अनिल धंतोडी भी विधानसभा चुनाव में हल्के शाहबाद से कांग्रेस से अपनी दावेदारी जता रहे है। कांग्रेस पार्टी से दावेदारों में प्रेम हिंगा खेड़ी, सुनीता नेहरा, बाबूराम तुषार लुखी, कपूर सिंह और अर्जुन सिंह शामिल है।

खबर संक्षेप

फोटो वायरल, युवती ने चार पर किया केस

अंबाला। युवती की फोटो अन्य युवक के साथ वायरल करके लड़की को बदनाम करने का मामला सामने आया है। युवती ने बताया कि वह इतनी तंग आ चुकी है कि वह पढ़ाई भी नहीं कर पा रही है। पुलिस ने युवती की शिकायत पर 4 के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अंबाला कैंट के जोगी मंडी की युवती ने आरोप लगाया कि कि शशी, अभिषेक, सचिन व सुषमा ने उसकी फोटो को किसी अन्य युवक के साथ जोड़कर गलत तरीके से वायरल कर दिया है। ये चारों आरोपी उसे बदनाम कर रहे हैं। यही नहीं, उसे डराया, धमकाया जा रहा है। युवती ने बताया कि चारों आरोपी उसके पीछे लड़कों को लगाते हैं, जिसकी वजह से वह ट्यूशन भी नहीं जा पा रही है। अंबाला कैंट थाने की पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्पेशल लोक अदालत का होगा आयोजन

अंबाला। सुप्रीमकोर्ट द्वारा आगामी 29 जुलाई 2024 से 3 अगस्त 2024 तक उच्चतम न्यायालय में लंबित मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। मुख्य न्याय दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण प्रवीण ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वोच्च न्यायालय में लंबे समय से चलने वाले केस जो जिला अम्बाला से संबंधित पार्टियां हैं तथा विशेष लोक अदालत के माध्यम से अपने केस को निपटाना चाहती हैं तो वे 28 जुलाई से पहले जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

19 बोतल शराब सहित दो आरोपी काबू

अंबाला। थाना नारायणगढ़ क्षेत्र से शराब की तस्करी के मामले में पुलिस ने आरोपी धर्मेंद्र कुमार को 8 बोतल शराब सहित काबू किया है। एक अन्य मामले में पुलिस ने आरोपी महिला को 44 पव्वे (11 बोतल) अवैध शराब सहित काबू किया है। आरोपियों के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

आरोपी को किया शामिल जांच

अंबाला। थाना बराड़ा में दर्ज सड़क दुर्घटना के मामले में पुलिस ने आरोपी संजीव कुमार को शामिल जांच किया है। शिकायतकर्ता रमेश सिंह ने 13 जून 2024 शिकायत दर्ज करवाई थी कि केडी गार्डन स्कूल के पास आरोपी वाहन चालक ने लापरवाही व तेज गति से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार कर घायल कर दिया। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

मारपीट व धमकी देने के आरोप में पांच नामजद

कैथल। मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। गांव क्योडक निवासी कृष्ण कुमार ने सदर थाना में शिकायत दी कि 21 जून को शाम के समय आरोपी अमित, साहिल, गणेश, कुच्छू व भालू ने उस पर डंडे व गंडासी से हमला कर दिया। आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। जांच अधिकारी दयानंद ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सौर उर्जा उपलब्ध करवाने के लिए मिलेगी 1.10 लाख रुपये की सब्सिडी

अंबाला। डीसी डॉ. शालीन ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत हरियाणा के एक लाख गरीब परिवारों को सौर ऊर्जा उपलब्ध करवाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा 1.10 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। योजना का लक्ष्य लोगों के घरों का बिजली बिल कम करने के अलावा ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देना भी है, ताकि भविष्य मे अन्य स्त्रोतों के माध्यम से बनाई गई बिजली पर निर्भरता मे कमी की जा सके। इस योजना से पर्यावरण को फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की जा चुकी है। जिस परिवार की सालाना आय 1 लाख 80 हजार रुपये तक है, ऐसे परिवारों को 2 किलोवाट तक सोलर पैनल लगवाने पर 60 हजार रुपये की सब्सिडी केंद्र सरकार द्वारा तथा 50 हजार रुपये तक की अतिरिक्त सब्सिडी राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

भाजपा के जिला कार्यालय पर जड़ा ताला

नीट व दूसरी परीक्षाओं में हुई धांधली को लेकर कांग्रेसियों ने बोला हल्ला

अंबाला। भाजपा ऑफिस के बाहर जमा कांग्रेसी कार्यकर्ता।

- कांग्रेसी नेता चेतन ने कहा कि इस समय देश में लोकतंत्र की नहीं बल्कि लीकतंत्र की सरकार है।

> कांग्रेसी नेता चेतन चौहान बोले देश में लोकतंत्र की नहीं बल्कि लीकतंत्र की सरकार, बीते रोज कांग्रेसियों ने बाजारों में निकाला था सरकार के खिलाफ रोष मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

नीट, यूजीसी व आईटीईपी परीक्षा में हुई धांधली को लेकर कांग्रेसियों ने भाजपा ऑफिस पर बड़ा प्रदर्शन किया। इस दौरान उग्र प्रदर्शनकारियों ने भाजपा के जिला ऑफिस पर ताला जड़ दिया। प्रदर्शकारियों की अगुवाई ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सचिव चेतन सिंह चौहान कर रहे थे। इससे पहले भारी संख्या में कार्यकर्ता भाजपा ऑफिस पहुंचे थे। यहां पहले ही पुलिस की ओर से सुरक्षा के बंदोबस्त किए गए थे। इसके बावजूद कांग्रेसी भाजपा के ऑफिस पर ताला लगाने में कामयाब रहे। कार्यकर्ताओं ने मुख्य परीक्षाओं में हो रही धांधली व पेपर लीकके खिलाफ जमकर हल्ला बोला। इससे पहले कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेसी नेता चेतन चौहान ने कहा कि इस समय देश में लोकतंत्र की नहीं बल्कि लीकतंत्र की सरकार है। अभी नीट पेपर लीक की जांच चल ही रही थी कि अब यूजीसी नेट जून 2024 परीक्षा पेपर लीक के कारण रद्द कर सरकार ने लाखों छात्रों का भविष्य अंधकार में धकेल दिया गया है। उन्होंने कहा कि इन सब के साथ ही इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम की परीक्षा की भी गड़बड़ी सामने आई है। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक ने इस सरकार नाकामी साबित कर दी है 1 आज मेहनती परीक्षार्थियों की आंखों में सिर्फ आंसू ही आंसू है, उनकी महीनों की मेहनत का हिसाब कौन देगा? जैन ने कहा की शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार की लापरवाही और गड़बड़ी किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। इससे पहले शुक्रवार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष एडवोकेट रोहित जैन की अगुआई में भी कांग्रेसियों ने जगाधरी रोड पर प्रदर्शन किया था। जैन ने कहा कि परीक्षा से एक दिन पहले यूजीसी नेट पेपर का लीक होना, टेलीग्राम पर पांच पांच हजार रुपए में कोचिंग संस्थानों के जरिए छात्रों को बेचा जाना बहुत ही निंदनीय व शर्मनाक है।

यूजीसी नेट का पेपर एक दिन पहले किया लीक

जैन ने कहा कि परीक्षा माफिया ने यूजीसी नेट के पेपर को नसिर्फ परीक्षा से एक दिन पहले लीक किया बल्कि उसे इंटरनेट नेटवर्किंग साइट टेलीग्राम के जरिए देशभर में पहुंचाया। जैन ने कहा कि जांच अधिकारियों द्वारा 17 जून को ही गृह मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय को इस बारे जानकारी दी गई थी लेकिन इस बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। नीट और यूजीसी नेट में ही नहीं बल्कि इसी तरह आइटीईपी में भी गड़बड़ी हुई थी। इसी तरह एनटीए ने गड़बड़ी के चलते 12 जून को आइटीईपी की परीक्षा रद्द की थी। ऐसे पेपरों को एग्जाम से पहले अलग-अलग सेंटरों के स्ट्रांग रूम में सील करके रखा जाता है, इतनी सुरक्षा में पेपर का लीक होना बेहद शर्मनाक है।

अंबाला। योग दिवस पर मौजूद साधक व बीके बहनें।

शारीरिक व मानसिक स्तर पर मजबूती के लिए योग जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के कंचघर स्थित ब्रह्मकुमारीज आश्रम व भारतीय योग संस्थान और नेहरू युवा केंद्र के सौजन्य से सिटी पार्क में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रोग्राम का आयोजन किया। इसमें मुख्यअतिथि के रूप में जिला यूथ ऑफिसर अर्शदीप मौजूद रही। साथ में बीके एवं वरिष्ठ शिक्षिका शिवानी दीदी भी उपस्थित रही। सिटी पार्क में प्रोटोकॉल अनुसार सभी योगाभ्यासियों ने विभिन्न योग अभ्यास किए। भारतीय योग संस्थान के प्रधान रणबीर सैनी ने योग मानव जीवन के लिए क्यों जरूरी है इस पर अपने कुछ उद्बोधन प्रस्तुत किए। शिवानी दीदी ने बताया कि फिजिकल हेल्थ के साथ-साथ मेंटली हेल्थ में भी योग का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए हमें नियमित रूप से मानसिक एकाग्रता के लिए राजयोग का अभ्यास करना भी जरूरी है। साथ ही साथ दीदी ने मेडिटेशन द्वारा सभी को मन की एकाग्रता का अनुभव कराया। इस कार्यक्रम में उपस्थित अर्शदीप ने इस वर्ष का जो थीम था ,स्वयं और समाज के लिए योगः इस पर अपने कुछ विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया तत्पश्चात मीनाक्षी और ग्रुप ने सरस्वती वंदना द्वारा वातावरण को योगाभ्यास के लिए अनुकूल बनाया इस कार्यक्रम के संचालन में मुख्य रूप से सुभाष , मीनाक्षी ,ब्रह्मा कुमारी एकता दीदी ,सिमरन दीदी ,संजना दीदी, एवं प्रिय दीदी , नवजोत भाई ,एवं नीरज भाई भी उपस्थित रहे।

एक लाख आय वालों को मिलेगा हैप्पी योजना का लाभ

अंबाला। डीसी डॉ. शालीन ने कहा कि हरियाणा सरकार के परिवहन विभाग द्वारा शुरू की गई हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना के लिए पात्र लाभार्थी आवेदन करके लाभ उठा सकते हैं। इससे 1 हजार किलोमीटर तक मुफ्त यात्रा की जा सकती है। उन्होंने बताया कि हैप्पी स्कीम अंत्योदय की अनूठी योजना है। एक लाख रुपये तक की आय वाला कोई भी व्यक्ति आवेदन कर सकता है। परिवार में जितने सदस्य हैं, सभी का कार्ड बनेगा और 1 हजार किलोमीटर मुफ्त सफर कर सकेंगे। योजना के पात्र लाभार्थियों को स्मार्ट कार्ड वितरित किए जाते हैं, जिसे रोडवेज बस में दिखाकर मुफ्त सफर किया जा सकता है। डीसी ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग स्कीम के लिए आवेदन कर रहे हैं और इसका लाभ उठा रहें हैं।

एमसी हॉस्टल के कुश्ती हॉल में होगा जिला केसरी और कुमार दंगल का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी 24 को करवाएंगे पंजीकरण

जिला खेल अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि जिला स्तरीय कुश्ती अखाड़ा प्रतियोगिता तथा जिला केसरी एंव कुमार दंगल का आयोजन 24 व 25 जून को अंबाला छावनी में बने एससी हॉस्टल के कुश्ती हॉल में किया जाएगा। 24 को खिलाडिय़ों को पंजीकरण किया जाएगा। जिला स्तरीय अखाड़ा प्रतियोगिता निम्न वेट कटेगरी में करवाई जाएगी। इच्छुक खिलाड़ी (महिला व पुरूष) 24 को अपना पंजीकरण करवाने के लिए जिला खेल कार्यालय में प्रातः 9 बजे से सांय 4 बजे तक करना सुनिश्चित करेंगें तथा 25 जून को प्रतियोगिता में भाग लेगें। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पहलवानों द्वारा अपने जिला से निम्न दस्तावेज दिखाने होंगे जैसे-जिला का रिहायशी प्रमाणपत्र या बिजली का बिल या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट या बैंक अकाउंट की कॉपी। पहलवानों की आयु जनवरी 2007 तथा जनवरी 2003 से मान्य होगी। पहलवानों को वजन के समय आयु प्रमाणपत्र व फोटो साथ दिखाने होंगे। पहलवानों का वजन अखाड़ा इंचार्ज के द्वारा प्रस्तुत सूची के अनुसार ही लिया जाएगा। जिस सूची में पहलवान का नाम, जन्मतिथि व स्कूल तथा कक्षा लिखी हो। प्रशिक्षक/ अखाड़ा इंचार्ज यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके अखाड़े से कोई पहलवान दूसरे अखाड़ें या जिले से भाग न लें। जिला अखाड़ा प्रतियोगिता में जो पहलवान प्रथम होगा वही पहलवान राज्य अखाड़ा प्रतियोगिता में भाग ले सकेगा। जिला अखाड़ा प्रतियोगिता में जो पहलवान प्रथम होगा वही पहलवान राज्य अखाड़ा प्रतियोगिता में भाग ले सकेगा। यदि किसी कारण वश कोई पहलवान चोट आदि लगने के कारण भाग नहीं ले सकता तो उसके स्थान पर केवल दूसरा स्थान प्राप्त करने वाला पहलवान ही भाग ले सकेगा।

सोलो हरियाणवी नृत्य में खुशी व कथक में रिया ने मारी बाजी

- शिमला में आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में कलाकारों ने चार पुरस्कार हासिल कर लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

69वें ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन शिमला द्वारा आयोजित कालीबाड़ी सभागार में 5 दिवसीय नृत्य एवं नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वरिष्ठ अनुभवी कोरियोग्राफर बुधराम ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देश भर की विभिन्न आयुवर्ग से 20 राज्यों के नृत्य दलों ने भाग लिया। इसमें हरियाणवी एवं कथक नृत्य की पांच प्रस्तुतियां अंबाला शहर के सांस्कृतिक दल द्वारा दी गई।

अंबाला। शिमला में आयोजित कार्यक्रम में बाजी मारने वाले कलाकार।

इसकी अगुवाई खुशी मलिक ने की। अलग-अलग आयुवर्ग में प्रथम चार पुरस्कार हरियाणवी समूह नृत्य प्रथम- जिसमें कुमारी अराध्या, अनन्या, खुशी, दृष्टि, लक्षिता, अंशिका ने भाग लिया। डियूट लोक नृत्य में प्रथम कुमारी अराध्या एवं अनन्या ने प्रस्तुतियां दी। सोलो हरियाणवी में कुमारी खुशी मलिक एवं कुमारी रिया अग्रवाल ने कथक में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया तथा तृतीय पुरस्कार जूनियर कुमारी अनन्या ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में 20 राज्यों गुजरात, चण्डीगढ़, असम, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मनीपुर, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल की टीमों ने भाग लिया। यहां के उत्साही कलाकारों ने चार प्रथम पुरस्कार एवं एक तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर अंबाला का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि पर प्रशिक्षक बुधराम, शबनम नाथ, अंजलि वधावन, उमेश शर्मा, अनिल महंत, अशोक लहरी, जसदीप बेदी एवं शमा ने बहुत आशीर्वाद दिया।

14 सितंबर तक निशुल्क अपडेट करा सकते हैं आधार कार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

डीसी डॉ. शालीन ने बताया की यूआईडीएआई ने आमजन की सुविधा के मद्देनजर फ्री में आधार कार्ड अपडेट की तारीख बढ़ाकर 14 सितंबर कर दी है। उन्होंने बताया कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार कार्ड सबसे अहम दस्तावेज है और 10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट करना आवश्यक है। पहले 14 जून तक फ्री में आधार अपडेट किया जा सकता था जिसे अब तीन महीने आगे बढ़ाते हुए आधार कार्ड को अपडेट करने की तिथि 14 सितम्बर 2024 तक बढ़ा दी गई है। नागरिक स्वयं भी वेबसाइट पर जाकर अपना आधार कार्ड अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा किसी भी सीएससी व आधार सेंटर पर जाकर करवाया जा सकता है। डीसी ने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि जिन व्यक्तियों ने पिछले 10 सालों में आधार कार्ड को अपडेट नहीं कराया है, वे अपने आधार कार्ड में समय रहते अपडेशन जरूर करवा लें ताकि उन्हें भविष्य में सरकारी योजना का लाभ लेने व अन्य किसी प्रयोजन में परेशानी व समस्या का सामना न करना पड़े। आधार कार्ड को अपडेट के लिए जो दस्तावेज इस्तेमाल करते हैं उस पर आपका नाम, जन्मतिथि सही होनी चाहिए। आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए रिहायशी प्रमाण पत्र या अन्य निर्धारित पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा।

वैश्विक गर्मी से सूख रही सांसे, कबीर जयंती पर पौधरोपण का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

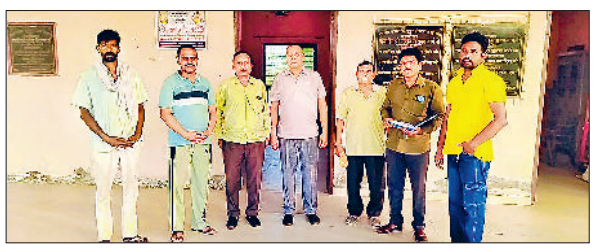

भगवान वालमीकि आश्रम सिरसगढ में कबीर जयंती के शुभवसर पर संस्था के प्रधान सलिंद्र झाडूमाजरा की अध्यक्षता मे एक बैठक हुई। बैठक में सभी पदाधिकारियों को यह शपथ दिलवाई गई कि सभी अपने गांव व ब्लॉक स्तर पर पौधारोपण अवश्य करे। ।प्रवक्ता गौरव डुलियाना ने कहा कि इस मौसम में पेड़ की बहुत जरूरत है। वैश्विक गर्मी ने पूरे देश की सांसें सूख रही हैं, और लगातार बढ़ते तापमान के कारण गर्मी बर्दाश्त नहीं होती। भूजल गहरा और गहरा होता जा रहा है। नदी और महासागर प्रदूषित हो रहे हैं और तेजी से सूख रहे हैं। हवा में सांस लेना मुश्किल हो रहा है। बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग के कारण देश के 310 जिले जलवायु परिवर्तन की चपेट में हैं। इसलिए हमें सोचने और विचार करने की जरूरत है वरना समय हाथ से निकल जाएगा और वो दिन दूर नहीं जब लोग स्वच्छ हवा, जल और प्राकृति के लिए तरसेंगे। उन्होंने कहा कि हमे अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए और लगातार बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में अपना योगदान दें!इस अवसर पर उपप्रधान सरपंच रिकू मंचल , डॉ हरपाल, जरनैल बराड़ा, सोहनलाल, प्रदीप, छोटू आदि मौजुद रहे।

ट्रेवल एजेंट पर धोखाधड़ी का आरोप, कनाड़ा पीआर के लिए ठगे आठ लाख रुपये

- पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

गांव सुभरी के रहने वाले एक व्यक्ति ने चंडीगढ़ के एक ट्रेवल एंजेट पर विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकायत में सुशील कुमार ने बताया कि उसने इंटरनेट पर विदेश जाने को लेकर सर्च किया था। तब उसके पास एक एजेंसी का फोन आया। इस कंपनी ने अपना पता चंडीगढ़ सेक्टर 44 डी में ऑफिस बताया। जब वह उनके ऑफिस में गया तो वहां एकता ठाकुर नाम की महिला मिली। पीड़ित ने उनसे कनाडा जाने के लिए पीआर सहित बात की तो उसने कहा कि उसको कनाड़ा भेज दिया जाएगा। , इसके लिए दस लाख रुपये की फीस बताई गई। इस फीस से अलग 7-8 लाख खर्च भी बताया गया। सुशील ने बताया कि इसके बाद उसने भी हां कर दी। तब एजेंसी की ओर से उससे जरूरत के सारे कागजात लिए गए। उसने बताया कि 25 मार्च 2022 से लेकर अब तक वह एजेंसी खाते में पांच लाख 66 हजार रूपये डाल चुका है। अब उसे कहा गया है कि पीआर के लिए आइलेट्स व दस्तावेजों की यूनिवर्सिटी से बैस भी करवानी होगी। इसके बाद उसने यह प्रक्रिया पूरी कर ली। इसके लिए उससे डेढ लाख रूपये नकद लिए गए। उसने बताया कि अब एजेंसी उससे 8 लाख 6 हजार रुपये ले चुकी है।

कांग्रेस के निगम सदस्य बोले खुद के दम पर शुरू करवाना पड़ रहा है नालों की सफाई का कार्य

मानसून सिर पर, नींद में सोए नगर निगम के अफसर

- कई रिहायशी व व्यवसायिक कॉलोनियां पानी में डूबेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। जेसीबी से अपने एरिया की सफाई करवाते निगम सदस्य मिथुन वर्मा।

मानसून का सीजन सिर पर है लेकिन नगर निगम अधिकारियों को शहर की चिंता नहीं है। शहर में नालों की सफाई जिस प्रकार से होनी चाहिए वो हो नहीं पा रही है। कांग्रेस के नगर निगम सदस्य मिथुन वर्मा ने अपने वार्ड के नालों की सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर चलवा दिया है। वर्मा ने कहा कि नगर निगम के अधिकारियों ने नलों की सफाई करने का कार्य निगम के कर्मचारियों पर ही थोप दिया जबकि सफाई कर्मचारी पहले से ही बहुत कम हैं। उनके ऊपर पहले से ही सफाई के कार्य का काफी बोझ है। निगम अधिकारियों को चाहिए कि नालों की सफाई के लिए शीघ्र ही अतिरिक्त कर्मचारियों को भर्ती करे ताकि निगम कर्मचारियों के साथ मिलकर नालों की सफाई को दुरुस्त तरीके से किया जा सके। बारिश कभी भी शुरू हो सकती है लेकिन अधिकारियों ने बारिशों के दिनों में शहर को डूबाने के लिए कोई कसर नही छोड़ी हुई है। नगर निगम को सक्रिय होने की जरूत है। एक महीना पहले ही नालों की सफाई हो जानी चाहिए थी और उनका कहना है कि हर बार ऐसा ही होता है। अधिकारियों की लापरवाही के कारण गंदे पानी की निकासी न होने का खमियाजा जनता को भुगतना पड़ेगा। र गत वर्षों की तरह कपड़ा मार्केट को फिर डूबने पर विवश होना पड़ेगा। करोड़ों रुपए का नुकसान सहन करना पड़ेगा साथ ही नदी मोहल्ला, नई बस्ती, सर्कुलर रोड, जगाधरी गेट सहित सारे शहर में बाढ़ जैसे हालात बन जाएंगे। वर्मा ने नगर निगम अधिकारियों से मांग कि की शहर में नालों की सफाई के कार्य में तेजी लाई जाए और अतिरिक्त कर्मचारियों को भर्ती की जाए ताकि शहर में बरसाती पानी से लोगों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 23 मई 2024

आज पर टिकी होती है हमारी भविष्य की जिंदगी

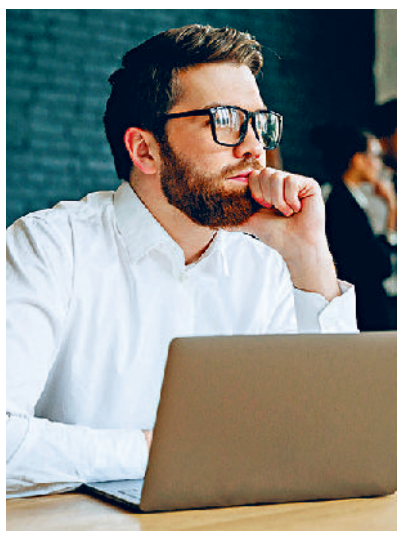

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

यह सही है कि भविष्य में कुछ भी निश्चित नहीं लेकिन आने वाले कल का बहुत कुछ ऐसा होता है, जिसे हम आज ही निर्धारित कर सकते हैं। वो कौन-सी प्रवृत्तियां हैं, कौन-सी स्वभावगत विशेषताएं हैं, जिनमें बदलाव लाना या जिन्हें सही दिशा देना जरूरी है, इस बारे में जानकर हम निश्चित ही आने वाले जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

आपको अगर अपने उगाए पेड़ों से आम, अमरूद, नीबू, केला, टमाटर या कोई भी फल सब्जी खानी है तो उसे कब उगाएंगे? जाहिर है, आप जब भी इन्हें उगाएंगे उसके कुछ दिनों, हफ्तों, महीनों या बरसों बाद आपको अपेक्षित फल मिलेंगे। ठीक इसी प्रकार आपको अपना भविष्य उज्ज्वल, खुशहाल, सहज और सुविधाजनक चाहिए तो उसके लिए कुछ कोशिशें आज से ही शुरू करनी होंगी। इन कोशिशों में आपके नजरिए, स्वभाव और आदतों में परिवर्तन भी शामिल है।

करें भविष्य का आकलन

हालांकि जीवन और दुनिया परिवर्तनशील और अनिश्चित है लेकिन इसमें कुछ चीजें कभी नहीं बदलेंगी। जैसे लोगों का स्वभाव, खान-पान संबंधी मूल आदतें, मानवीय गुण-दोष। इन्हीं के आधार पर भविष्य के लिए अपने प्रोफेशनल या कारोबारी निर्णय लें। मॉर्गन हाउसेल ने अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'सेम एज एवर' में लिखा है, 2050 में दुनिया चाहे जैसी हो, लोग तब भी लाभ, भय, अवसर, शोषण, जोखिम, अनिश्चितता, जुड़ाव से संचालित होंगे, जैसे आज होते हैं। तब भी हर कोई सुरक्षित भविष्य चाहेगा, आशंकाओं से घबराएगा और खाने में कुछ चीजें तब भी लगभग हर कोई खाएगा।' शायद यही कारण है कि वारेन बफेट जैसा बड़ा उद्यमी बीमा कंपनियों, बबलगम, टोमेटो केचप जैसी ट्रेडिशनल कंपनियों में निवेश करते रहे हैं।

रखें स्पष्ट-तार्किक सोच

हमें जीवन में रोजाना कुछ छोटे-बड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। इन्हीं के सही गलत होने पर हमारे भविष्य का पूरा दारोमदार होता है। अगर हम अपनी निर्णय क्षमता को स्पष्ट और तार्किक बनाना सीख लें तो हमारा आने वाला कल निश्चित रूप से अच्छा ही होगा। सही निर्णय लेने की कला स्कूली पढ़ाई से नहीं बल्कि अच्छे लोगों की सलाह, जीवन के अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान पर निर्भर करती है। सबसे पहले आपको उन क्षणों को पहचानना सीखना चाहिए, जो आपके जीवन को बदलने में सक्षम हैं। किसी भी घटना, स्थिति या व्यक्ति के व्यवहार पर बिना सोचे त्वरित प्रतिक्रिया न दें। बल्कि सोच-समझ कर तर्क के आधार पर निर्णय लें। भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विवेक से काम लें।

विश्वास और शत्रुता सीमित हो

आपने कई पौराणिक, ऐतिहासिक कथाएं पढ़ी होंगी। अपने परिवार या आस-पास के उदाहरण देखे होंगे और हो सकता है कभी आपको भी अनुभव प्राप्त हुआ हो कि किसी भी व्यक्ति से शत्रुता खतरनाक स्तर पर पहुंच जाए तो मानसिक अशांति के साथ-साथ जान से हाथ धो बैठने और भारी आर्थिक नुकसान होने का जोखिम बढ़ जाता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को अपना परम मित्र और हितैषी मानकर उसे अपनी जिंदगी का हर छोटा-बड़ा राज बता देते हैं और जरूरत से ज्यादा विश्वास करने लगते हैं तो कभी-कभार हमें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसा ना हो इसके लिए किसी से अत्यधिक शत्रुता या किसी पर अंधविश्वास करने से बचना चाहिए।

धोखाधड़ी-शॉर्टकट से बचें

कई बार हम क्षणिक सुख प्राप्त करने के लिए कोई ऐसी बड़ी गलती कर बैठते हैं, जिसके लिए हमें जीवन भर पछताना पड़ता है। अवैध संबंध, ठगी, चोरी, लूट, ईर्ष्या, किसी का अहित करना या धोखा देकर, नकल करके आगे बढ़ना ऐसे काम हैं, जिनका अंतिम नतीजा सदैव दुखदायी ही होता है। आप ऐसी खबरें देखते, सुनते या पढ़ते होंगे कि कोई बाहुबली, बड़ा राजनीतिज्ञ या अत्यधिक अमीर व्यक्ति भी अर्श से फर्श पर आ जाता है। इस संदर्भ में अब्राहम लिंकन के एक पत्र का सारांश पठनीय है, जो उन्होंने अपने बेटे के स्कूल टीचर को लिखा था। उन्होंने लिखा था, 'आदरणीय टीचर, आप मेरे बेटे को सिखाएं कि मेहनत से कमाया हुआ एक डॉलर सड़क पर पड़े मिलने वाले पांच डॉलर से ज्यादा कीमती होता है। वह दूसरों से ईर्ष्या की भावना मन में ना लाए। मुझे उम्मीद है कि आप उसे बताएंगे कि दूसरों को धमकाना और डराना अच्छी बात नहीं है। नकल करके पास होने से फेल होना ज्यादा अच्छा है। आप उसे सिखाएं कि हर दुश्मन में दोस्त बनने की संभावना भी होती है। इसलिए संयमित व्यवहार करे।'

ये सीखें बेहतर जीवन की चाहत रखने वाले हर किसी के लिए उपयोगी हैं। इसलिए बेहतर और खुशहाल जीवन के लिए इसके सभी पहलुओं का संतुलन साधना बहुत जरूरी है। *

सीखें लाइफ को बैलेंस करना

अगर आप अपने जीवन में अच्छे-बुरे कामों, नतीजों, अपने क्रिया-कलापों पर नजर नहीं रखते हैं तो जीवन की गति बेलगाम घोड़े या ड्राइवर विहीन कार जैसी होगी। जाहिर है, इसके दुष्परिणाम आपको ही भोगने होंगे। जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। काम के साथ स्वास्थ्य, विश्राम, संबंधों और परिवार पर भी ध्यान देना जरूरी है। कोका-कोला के पूर्व सीईओ ब्रायन डायन ने कॉर्पोरेट करियर में 40 साल बिताने के बाद एक स्पीच में कहा था कि काम पर समय से पहुंचें। तल्लीन होकर काम करें लेकिन घर पर भी समय से पहुंचे। हम जीवन में पांच गेंदों की जग्लिंग करते हैं। पहली गेंद काम, दूसरी परिवार, तीसरी स्वास्थ्य, चौथी दोस्ती और पांचवीं गेंद उत्साह से जुड़ी हुई है। काम-काज की गेंद रबड़ की तरह है। यह हाथ से छूट गई तो दोबारा आ सकती है। लेकिन बाकी गेंदें कांच की तरह होती हैं। ये एक बार हाथ से छूटीं तो टूट जाएंगी। पैसा और प्रोफेशन महत्वपूर्ण है लेकिन सब कुछ यही नहीं है। इसलिए परिवार की महत्ता को पूरी तरजीह दें।

पुरुष भी जरूर करें अपनी हेल्थ केयर

परिवार के अन्य सदस्यों की हेल्थ का पूरा ध्यान रखने वाले पुरुष सदस्य अकसर अपनी हेल्थ पर ध्यान नहीं देते हैं। सभी पुरुषों को अपनी हेल्थ के प्रति अवेयर करने और हेल्दी लाइफ जीने के लिए 'मेंस हेल्थ मंथ (जून)' इंस्पायर करता है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

जून महीना पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सजगता लाने से जुड़ा है। इस माह को 'मेंस हेल्थ मंथ' के रूप में मनाया जाता है। यह महीना, पुरुषों की हेल्थ प्रॉब्लम्स को लेकर जागरूक होने को समर्पित है।

पारिवारिक सदस्यों की जिम्मेदारी: परिवार में पिता, दादा, भाई या किसी भी अन्य रिश्ते के रूप में रहने वाले पुरुष सदस्य अगर अपनी सेहत का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो परिवार के अन्य सदस्यों की यह जिम्मेदारी है, वे उन्हें अपनी हेल्थ को लेकर अवेयर करें। कई तरह की भाग-दौड़ के बावजूद अपनों का स्वास्थ्य सहेजने वाली आपा-धापी में उलझे रहने वाले बाबा, पापा, चाचा या भाई को भी उनकी परेशानियों को समझने वाला साथ चाहिए होता है। उनका हाथ थामकर डॉक्टर के पास तक ले जाने और दवा खिलाने के लिए परिवार के सदस्य समय जरूर निकालें, उनकी तकलीफों को लेकर संवेदनशील बनें।

स्वास्थ्य की अनदेखी: अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों की प्राइमरी हेल्थ केयर के लिए चिकित्सक के पास जाने की प्रवृत्ति कम होती है। इसी वजह से पुरुषों में हृदय रोग, कैंसर और दुर्घटना में लगी चोटें, उनका जीवन छीनने के तीन प्रमुख कारणों में से एक बनकर सामने आई हैं। इतना ही नहीं पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या महिलाएं ही नहीं पुरुष भी झेलते हैं। उम्र के साथ हार्मोनल बदलावों से जुड़ी परेशानियां पुरुषों के भी हिस्से आती हैं। पैरेंटिंग की यात्रा के उतार-चढ़ाव में पिता भी साझीदार होते हैं। उनकी मनःस्थिति भी बदलती है। कई तरह की चिंताएं उन्हें भी आ घेरती हैं। बावजूद इसके यह जिम्मेदारी निभाने के आयुवर्ग में अधिकतर पुरुष अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं रहते। अपनों की संभाल का जिम्मा उठाने वाले पिता, पति और बेटे खुद अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को सीरियसली नहीं लेते। मन ही मन बहुत सी परेशानियों से जूझते रहते हैं। अपनी तकलीफें बताने के बजाय अपनों की परेशानियों का हल निकालने में जुटे रहते हैं। ऐसे में घर की महिला सदस्य और बच्चे अपने पति, पिता और दादाजी को खुद की देखभाल के लिए प्रेरित भी कर सकते हैं और स्नेह भरा दबाव भी बना सकते हैं। अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करने के इस बर्ताव के खिलाफ प्यारी सी जिद ठान सकते हैं। घर के पुरुष सदस्य, अपने बच्चों की बात नहीं टाल पाते हैं।

स्नेह-साथ आवश्यक: हमारे सोशल सिस्टम में बहुत सहजता से यह मान लिया जाता है कि घर के पुरुष सदस्यों को साथ, स्नेह और संवेदनशील बर्ताव की दरकार है ही नहीं। खासकर उस आयुवर्ग में जब वे अपनी जिम्मेदारियां संभालने योग्य हो जाते हैं। पिता, पति और बेटे के रूप में परिजनों के लिए हर मोर्चे पर भागम-भाग करने लगते हैं। ऐसे में बड़े होते बच्चों का अपने पिता के प्रति जुड़ाव ही संबल बन सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य सहेजने के लिए ही नहीं भावनात्मक मजबूती के मोर्चे पर भी यह स्नेह भरा साथ बहुत आवश्यक है।

अपनों की भूमिका अहम: पुरुषों की सेहत से जुड़ी चिंताओं के प्रति अवेयरनेस लाने और बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं की तरफ ध्यान लाने और उसे बेहतर तरीके से प्रबंधित करने के लिए तय किया गया यह विशेष वार्षिक आयोजन (मेंस हेल्थ मंथ) वाकई अहम है। इस दौरान चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान, यह भी बताते हैं कि घर के पुरुष मेंबर की हेल्थ संभालने के लिए अपनों की सक्रियता बेहद जरूरी है। अमेरिकी लेखक, राजनीतिज्ञ और डिप्लोमैट बिल रिचर्डसन ने कहा था कि पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को पहचानना और उन्हें रोकना केवल पुरुषों का मामला नहीं है। इसका असर पत्नियों, माताओं, बेटियों और बहनों पर भी पड़ता है। इससे स्पष्ट होता है कि पुरुषों का स्वास्थ्य वास्तव में एक व्यक्ति का नहीं पारिवारिक मुद्दा है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इससे परिवार में खुशहाली आती है। *

प्रिकॉशन
बाल मुकुंद ओझा

गेमिंग जोन में खोए बच्चे

खेलों को बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में गेमिंग जोन और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते ट्रेंड से बच्चों में कई हेल्थ प्रॉब्लम्स सामने आने लगी हैं। ऐसे में पैरेंट्स को एलर्ट होने की जरूरत है।

बच्चों के लिए बनाए जाने वाले गेमिंग जोन को लेकर इस समय पूरे देश में खासी चर्चा हो रही है। सवाल है, आखिर ये गेम जोन है क्या? इसका चलन देश और विदेशों में इतना क्यों बढ़ने लगा है?

विदेश से आया ट्रेंड: गेमिंग जोन की शुरुआत विदेशों में बहुत पहले हो चुकी थी। समय के साथ अन्य तकनीकों की तरह भारत के छोटे-बड़े शहरों में इसका भी विस्तार होने लगा है। गेमिंग जोन एक ऐसी जगह होती है, जहां लोग गेम खेल सकते हैं। इसे अलग-अलग तरह के गेम्स के लिए डिजाइन किया जाता है। भारत में गेमिंग जोन की लोकप्रियता बढ़ रही है। देश में लगभग हर बड़े शहर और मेट्रो सिटीज में आपको गेमिंग जोन मिल जाएंगे।

कैसे होते हैं गेमिंग जोन: गेमिंग जोंस में वीडियो गेम्स खेलने के लिए विशेष रूप से गेम्स डिजाइन किए जाते हैं। यह एक अलग क्षेत्र होता है, जो स्पेशल गेमिंग उपकरणों से तैयार किया जाता है। गेमिंग जोन के गेम्स में प्लेयर्स को अधिक तेज और रोमांचक गेमिंग अनुभव प्राप्त करने के लिए स्पेशल फीचर्स डाले जाते हैं।

बच्चे करते हैं पसंद: बच्चों को गेमिंग जोन काफी पसंद आते हैं। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों से बच्चों में इंडोर वीडियो गेम और फोन पर गेम्स खेलने की आदत काफी बढ़ गई है। कई मामलों में तो बच्चों को गेम की लत भी लग जाती है और वो चाहकर भी गेम खेलना छोड़ नहीं पाते। इसी तर्ज पर बनाए गए गेम्स जोन, बच्चों को खूब लुभाते हैं। यही वजह है कि छुट्टी के दिनों पर तो मॉल्स में बनाए गए गेमिंग जोन में बच्चों की काफी भीड़ रहती है। बच्चों को इस तरह के गेम्स खेलने में बहुत मजा आता है। इससे उनके शरीर में डोपामाइन नामक केमिकल ज्यादा रिलीज होता है। डोपामाइन एक न्यूरो ट्रांसमीटर है, जो हमारे शरीर के दिमाग को रोमांच, संतुष्टि और खुशी महसूस कराता है। इस वजह से बच्चे ऐसे गेम ज्यादा खेलते है।

बच्चों की हेल्थ पर बुरा प्रभाव: ऑनलाइन गेम्स हों, इंडोर गेम्स या गेमिंग जोन के गेम्स, इनकी लत बच्चों की मेंटल हेल्थ पर बैड इफेक्ट डाल सकती है। इससे बच्चों में डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बीते कुछ सालों से इस तरह के कई मामले भी सामने आए हैं, जिसमें गेम की लत ने बच्चों की मानसिक सेहत को प्रभावित किया है। उन्होंने अपने घर की चीजों, सदस्यों या दोस्तों को नुकसान भी पहुंचाया है। ऐसे गेम्स से बच्चों में हिंसक सोच भी बढ़ती है। खराब मेंटल हेल्थ के चलते बच्चों की पढ़ाई और प्रदर्शन प्रभावित होता है। ऐसे गेम्स की लत में बच्चों की मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ भी बिगड़ती है।

पैरेंट्स ना करें लापरवाही: अपने बच्चों को मोबाइल, कंप्यूटर और गेम जोन में खेलते देखकर कई माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते कि उनका बच्चा डिजिटल दुनिया के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। लेकिन शायद वे इस बात से अनजान हैं कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं, वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। इसलिए अगर आपके बच्चे भी ऐसे गेमिंग जोन में या ऑनलाइन गेमिंग में अकसर या बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो बिना देर किए आपको इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। आपका बच्चा ऐसे गेम्स का एडिक्ट हो जाए, उससे पहले ही आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। ऐसा न हो कि आपके बच्चे का बचपन गेमिंग जोन के चमक-दमक वाले मायाजाल में कहीं खो जाए। इसलिए इस लत से छुटकारा दिलाने के लिए पहले अपने स्तर पर प्यार से समझाने का प्रयास करें। जरूरत हो तो चाइल्ड काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट की मदद भी ले सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन सामाजिक विमर्श

जगमोहन सिंह राजपूत शिक्षाविद तो हैं ही, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के विचारक भी हैं। हाल में आई पुस्तक 'भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं (व्यग्रता, उग्रता और समग्रता)' में उनके कई विचारोत्तेजक लेख संकलित हैं। यहां पर लेखक ने कई ऐसी समस्याओं पर विचार किया है, जो केवल एक देश-समाज के लिए ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए चुनौती बने हुए हैं। आज आतंकवाद, सांप्रदायिक उन्माद, असहनशीलता और संवेदनहीनता जैसी समस्याओं का सामना संपूर्ण मानव समाज कर रहा है। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनके निवारण के बिना हम एक सभ्य समाज, विकासोन्मुख देश और बेहतर दुनिया की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन समस्याओं के मूल कारणों, इनके दुष्परिणामों पर ही नहीं, उनके समाधान के रास्तों पर भी लेखक ने इन लेखों में गहनता से विचार किया है। *

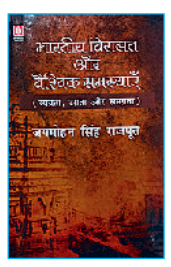

पुस्तक: भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं, **लेखक:** जगमोहन सिंह राजपूत, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

तपती दुपहरी

भीषण गर्मी की तपती दुपहरी थी। घर से बाहर निकलते लगता कि आदमी बेहोश होकर गिर जाएगा। धरती पर कण-कण तप रहा था। लेकिन बुलकिया को दम मारने की भी फुरसत नहीं थी। वह सुबह से ही लगी हुई थी। जल्दी-जल्दी ईंटे ढो रही थी। यह सोचती, बस एक खेप और...बस एक खेप और... फिर बच्चे को दूध पिला आएगी। बीच-बीच में बच्चा उठता, थोड़ी देर रोता फिर सो जाता। भीषण लू चल रही थी। पेट की बात नहीं होती तो बुलकिया निकलती भी नहीं। उसने कनखियों से बच्चे कजरा की ओर देखा। वह बस साल भर का था, नीम के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। पेड़ अब ठूंठ ही बचा था। पेड़ की शाखों पर नाम मात्र की पत्तियां ही बची थीं। बुलकिया को तेज भूख लग आई थी, लेकिन वह ईंटों को ढोने में लगी हुई थी। आधी दोपहर निकल गई थी। वह भी बेचारी क्या करे? उसका आदमी रामसूरतवा डेढ़ साल हुए पैसा कमाने पहले विदेश चला गया था। बैंक के दलालों की मदद से किसी तरह पैसा कर्जा लेकर वह दुबई गया था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। दुबई में कहीं टावर पर चढ़कर काम कर रहा था। एक बार नीचे गिरा तो उठ ना सका। बुलकिया अपने पति की लाश भी नहीं देख पाई थी। बैंक से दो लाख का कर्जा लेकर गया था पति, साल भर से वह उसका मय ब्याज चुका रही है। रामसूरतवा अपने पीछे दो बच्चे छोड़ गया है- मिंटुआ और कजरा। मिंटुआ तो खैर बड़ा हो गया है। बड़ा भी भला क्या हुआ है, चौदह साल का है। अट्ठारह घंटे चूड़ी फैक्ट्री में काम करता है। तब जाकर वो पांच हजार कमा पाता है। उसकी कमाई से ही घर चलता है।

पेड़ के नीचे कजरा बहुत देर से लेटा था। धूप की किरणें कांच की किरचों की तरह उसके बदन पर चुभ रही थीं। अचानक से वह जोर-जोर से रोने लगा। सुरेखवा से नहीं रहा गया तो चिल्लाई, 'अरे बहन! सुबह से ही बच्चे को धूप में सुला रखा है। कम-से-कम उसे छाया में तो लिटा, उसे कुछ खिला-पिला दे। तू भी तो कुछ खा-पी ले। इतनी धूप में क्यों काम कर रही है? थोड़ा सुस्ता ले बहन। काहे जान देने पर तुली है? बचेगी तो तभी काम करेगी, जा कुछ खा ले। यहां तो ऐसे लोग हैं, जो ठंडे एसी कमरों में पड़े हुए हैं।

एक हमारा नसीब है, धूप और लू में भी काम करना पड़ रहा है। सब अपने-अपने भाग्य की बात है।' तभी रामानंद ठेकेदार उधर से गुजरा, उसने भी टोका, 'ऐ, बुलकिया, तुझे और तेरे बच्चे को धूप नहीं लग रही है क्या? जा थोड़ा सुस्ता ले।'

बुलकिया के मन में आया कह दे, 'बाबू, भूख के आगे धूप कहां लगती है।' लेकिन उसे लगा उसकी आवाज को लकवा मार गया है। *

-महेश कुमार केशरी

प्यासा कौआ

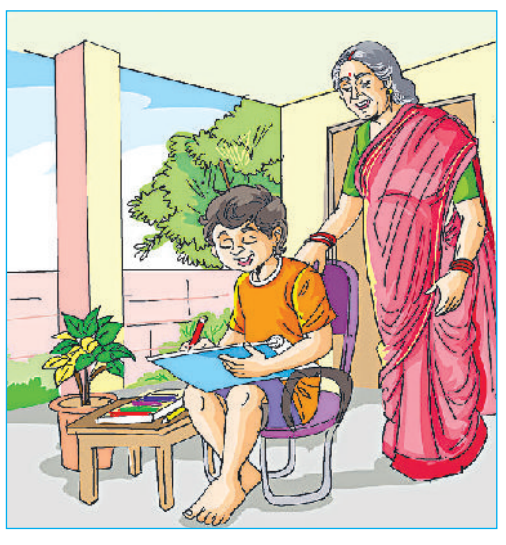

ओह कैसी गर्मी है? दो-चार रोटियां बनाने में जी घबरा गया। ये सिल्लो भी कितनी छुट्टी करती है और नलों का भी यही हाल है। सारे बर्तन खाली पड़े हैं। सूखे नल ही हुड़हुड़ा रहे हैं।' पसीना पोंछते हुए गर्मी को कोसते हुए वह किचन से बाहर निकल आईं। सामने उन्हें अपना पौत्र दिखाई दिया, 'अरे बंटू! इतनी गर्मी में तुम यहां बैठे हो?'

आंगन में रखी अपनी छोटी कुर्सी पर बैठा हुआ, अपनी ही धुन में ड्राइंग कॉपी में अपने नन्हे-नन्हे हाथ से कुछ बना रहा था। बंटू को भी उसकी ही तरह घर का आंगन बहुत पसंद है। गमलों में मुस्कुराते एक से एक सजावटी पौधे, कोने में पारिजात के पेड़ पर टंगी घंटियां और एक विशिष्ट सजावट मन को सुकून से भर देता है यह आंगन। उन्होंने बंटू से कहा, 'इस गर्मी में बाहर बैठे हो! चलो अंदर चलो।'

बंटू ने बताया, 'दादी मैं ड्राइंग बना रहा हूं।'

उन्होंने कॉपी में झांक कर देखा पेड़, पौधे चिड़ियां, लाल-पीले फूल, तितलियां और आसमान में बादल, झरती वर्षा की बूंदें, वहीं दूसरी ओर खाली मटका, मटके के पास एक मृत कौआ।

'यह क्या बंटू?' उन्होंने पूछा।

'दादी कल आपने कहानी सुनाई थी न, कौए को कहीं भी पानी नहीं मिला, सब जगह सूखा ही सूखा। कहीं भी पानी की एक बूंद भी नहीं और कौआ प्यासा ही मर गया।' बंटू की आवाज में एक पीड़ा थी।

वह आगे भी बोला, 'देखो दादी, मैंने पेड़, लगाए हैं, उससे बादल आए, बारिश आई और यह नदी! देखो नदी में कितना सारा पानी है।' उन्होंने देखा बंटू के मुख और स्वर से खुशी फूट रही थी।

'पर तुम्हारा कौआ तो प्यासा ही मर गया। अब क्या फायदा?' उन्होंने बंटू से पूछा।

'दादी देखो! दूसरा कौआ तो आकाश में उड़ रहा है न।' वह बोला।

न जाने क्यों निगाहें अपने आप ही आसमान की ओर उठ गईं। उफ्फ! आग उगलते आसमां में एक भी परिंदा न दिखा। पर उन्होंने मिट्टी के खाली सकोरों को पानी से लबालब जरूर भर दिया। *

-यशोधरा भटनागर

{ टूरिस्ट प्लेसेस / शिखर चंद जैन }

वैसे तो दुनिया भर में हजारों-लाखों ब्रिजेज, नदी, सागर और पहाड़ों पर बनाए गए हैं। लेकिन हम आपको यहां कुछ ऐसे स्काई ब्रिज के बारे में बता रहे हैं, जिस पर से गुजरते हुए आपको भरपूर रोमांचक अनुभव मिलेगा। यहां से आपको आसमान और धरती के ऐसे अद्भुत नजारे दिखेंगे, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

थ्रिल से भरपूर अमेजिंग ब्रिज

टिटलिस क्लिफ वाक

स्विटजरलैंड के टिटलिस पहाड़ पर बना यह झूला पुल, दुनिया का सबसे ऊंचा ससपेंशन ब्रिज माना जाता है। समुद्री सतह से 3000 मीटर की ऊंचाई पर बने इस ब्रिज पर टहलने के लिए सचमुच बहुत हिम्मत चाहिए, क्योंकि यहां से आसमान आपको अपनी पहुंच में नजर आएगा और नीचे देखेंगे, तो सिर चकरा जाएगा। जी हां, 100 मीटर लंबे और मात्र 1 मीटर चौड़े इस ब्रिज पर अपना दिल थाम कर आप आगे बढ़ेंगे तो चारों ओर बिखरी सफेद बर्फ और नीले आसमान के नीचे पहाड़ का मनोरम दृश्य आपको स्वर्गिक आनंद तो देगा ही, आपको रोमांच से भी भर देगा। *

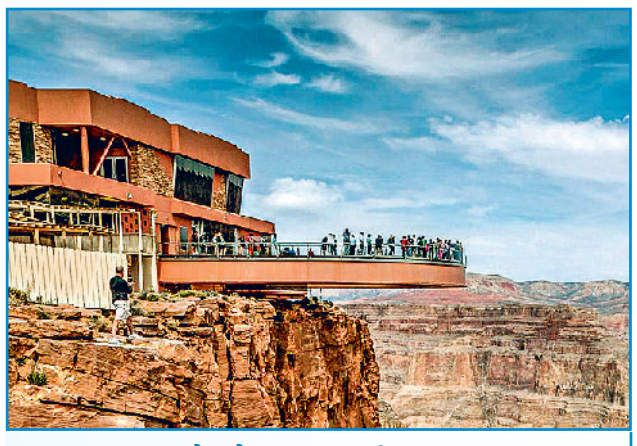

ग्रैंड कैन्यन स्काई वाक

अरिजोना (यूएसए) के कैन्यन नेशनल पार्क में 4700 फीट की ऊंचाई पर बना यह पुल, पूरी तरह पारदर्शी है। यह वाक वे दुनिया के सबसे रोमांचक और सिहरन पैदा करने वाले पर्यटक स्थानों की सूची में शुमार है। इस पर टहलते समय नीचे गहरी खाई और ऊपर नीला आसमान नजर आता है तो अच्छे अच्छों का सिर चकरा जाता है। इसकी सैर करते समय आपको म्यूजियम, लाउंज और स्पेशल आइटम्स वाली शॉप भी देखने को मिलेगी। घोड़े के नाल की आकार का यह पुल, दर्शकों का दिल छू लेता है। अगर आप इस पर सैर करने का साहस न जुटा पाएं तो कोई बात नहीं, इसके नजदीक बने ओपन कैफे में बैठकर भी इसके नजारे ले सकते हैं। *

ऑरलैंड लुकआउट

स्विमिंग पुल में कूदने के लिए जो डाइविंग बोर्ड बनाए जाते हैं, वैसी ही डिजाइन है नॉर्वे के इस हैंगिंग ब्रिज ऑरलैंड लुकआउट की। ढलान ऐसी कि दिल घबरा जाए। बहादुर से बहादुर इंसान भी इसके अंतिम छोर तक जाने का साहस नहीं जुटा पाएगा क्योंकि इसका छोर पारदर्शी कांच से बनाया है और वह भी बिना फ्रेम के। नीचे घाटी में झांकेंगे, तो लगेगा बस आप अगले ही पल नीचे गिरने वाले हैं और ऊपर आसमान इतना नजदीक दिखेगा कि आपको लगेगा, आप इसे हाथ से पकड़ लेंगे। *

मोंटीवर्डी रेनफॉरेस्ट स्काई वाक

दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के कोस्टारिका देश में बना यह स्काई वाक इकोटूरिज्म का नायाब उदाहरण है। हैंगिंग ब्रिजेज की श्रृंखला से बना यह 2.5 किलोमीटर लंबा ब्रिज, आपको 2500 तरह के पेड़-पौधे, 400 तरह के पक्षी और कम से कम 100 तरह के जानवरों को देखने का भी मौका देता है। इस पुल पर आप लंबे-लंबे पेड़ों के शिखरों के बगल में चलते हैं और अपने चारों ओर प्रकृति का जीवंत रूप देखते हैं, तो मन आनंद से भर जाता है। इस बियाबान जंगल में सूरज की रोशनी बड़ी मुश्किल से धरती को छू पाती है। ऐसे में ब्रिज पर सैर करते हुए हवाई नजारा लेना एक अनूठी अनुभूति है। *

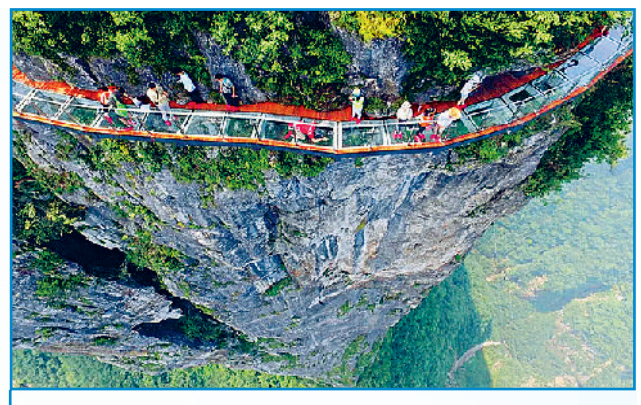

थियानमेन मुंटेन स्काईवाक

चीन के हुनान प्रांत में बना यह स्काई वाक वे 4700 फीट की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी पर बना है। इस वाक वे पर चलने से पहले भरपूर जीवट वाला इंसान भी एक बार घबरा जाएगा, क्योंकि एक ओर पहाड़ी की खड़ी ढाल है और दूसरी ओर 4000 फीट गहरी खाई। दिलचस्प बात यह कि इसका 3 फीट चौड़ा पैसेज पारदर्शी कांच का बना है, जिससे आप खुद को हवा में झूलता सा महसूस कर सकते हैं। इस स्काई ब्रिज पर टहलना 'वाक आफ फेथ' कहा जाता है, क्योंकि माना जाता है कि यह कमजोर दिलवालों के लिए नहीं, अत्यधिक आत्मविश्वास वाले लोगों के लिए ही है। *

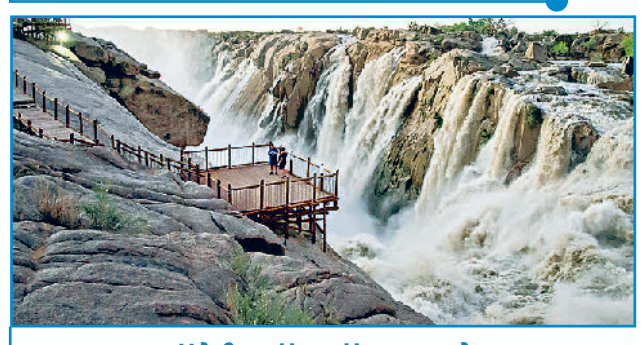

ऑग्रेबीज वॉटरफॉल्स वाक वेज

दक्षिण अफ्रीका के नार्दर्न केप में बने ऑग्रेबीज नेशनल पार्क में लकड़ी से बना यह ब्रिज आपको वाटरफाल के नजदीक पहुंचाता है। 5 कि.मी. लंबा यह वाक वे आपको उस अद्भुत मनोहारी दृश्य को नजदीक से देखने का मौका देता है, जो ऑरेंज नदी के लहराते जल के 240 मीटर गहरी और 18 किमी लंबी खाई में गिरने से उपस्थित होता है। इस पानी का शोर ऐसा होता है मानो सैंकड़ों नगाड़े पूरी ताकत के साथ बजाए जा रहे हैं। वाक वे पर खड़े होकर इस दृश्य को देखना और आवाज को सुनना वाकई एक अविस्मरणीय अनुभव होता है। *

सावधानी है जरूरी

अगर आपको कभी इन वाक वेज को देखने का मौका मिले और इनकी सैर करें तो कुछ सावधानी जरूर बरतें-

- चप्पल या आसानी से खुलकर निकल जाने वाले फुटवियर न पहनें।
- लहराने वाले या लूज ड्रेस जैसे दुपट्टा, मफलर आदि न पहनें।
- मोबाइल फोन, सनग्लास, कैमरे जैसे आइटम साथ में न रखें।
- नींद की दवा या नशीले पदार्थों का सेवन करने के बाद भूलकर भी यहां न जाएं।
- स्वास्थ्य संबंधी कोई शिकायत है, तो डॉक्टर से कंसल्ट जरूर कर लें।

{ रोचक / डॉ. शिबन कृष्ण रैणा }

शारजाह की विशाल सब्जी मंडी

जब भी मैं यूएई (यूनाइटेड अरब अमीरात) जाता हूं तो शारजाह शहर में स्थित सब्जी मंडी को देखना नहीं भूलता। सचमुच, अद्भुत और दर्शनीय! कह नहीं सकता कि विश्व में ऐसी भव्य, विशालकाय और मनोरम सब्जी मंडी कहीं और होगी या नहीं? इस सब्जी मंडी का नाम है 'सौक अल-जुबैल।' सैंतीस सौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैले इस विशालकाय वातानुकूलित परिसर में मुख्यतया तीन मार्केट मौजूद हैं। एक में फल और सब्जियां, दूसरे में मीट, चिकन, मछली जबकि तीसरे में सूखे मेवे आदि की दुकानें हैं। कुल मिलाकर इसमें 370 दुकानें हैं, जिनमें 212 सब्जी और फल की और शेष दुकानें नॉनवेज की हैं। पहले यह मंडी दूसरी जगह पर हुआ करती थी। नया परिसर बनने पर पुरानी मंडी की सारी दुकानें यहां पर शिफ्ट कर दी गई हैं।

यहां की व्यवस्था और साफ-सफाई शानदार है। कहीं कोई गिचपिच नहीं, कोई गंदगी नहीं। कहीं कोई शोर-शराबा भी नहीं। हर चीज का एक दाम। कोई मोल भाव भी नहीं। चारों ओर अनुशासन और शांति का माहौल। यूएई चूंकि-कृषि प्रधान देश नहीं है, इसलिए फल, सब्जी आदि खाने-पीने की चीजें मुख्यतया ओमान, भारत, पाकिस्तान, इटली, अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से यहां मंगवाई जाती हैं। इस सब्जी मंडी की विशालकायता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि परिसर के बाहर 750 कारों के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। 800 ट्रॉलियों से लैस परिसर में एटीएम के साथ-साथ वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध है। पूरा परिसर चौबीस घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तले रहता है। परिसर की ऊपर वाली मंजिल पर 'सौक अल-जुबैल' का प्रशासनिक कार्यालय भी स्थित है। *

{ ट्रेंड / विवेक कुमार }

बहुत कुछ कहती हैं अंगुली में पहनी अंगूठियां

हममें से कई लोग रईसी दिखाने के लिए तो कुछ अट्रैक्टिव या डिफरेंट दिखने के लिए ज्वेलरी पहनना पसंद करते हैं। विभिन्न धातुओं से बनी ये ज्वेलरीज हमारे स्वभाव से लेकर हमारे स्वास्थ्य तक को प्रभावित करती हैं। लेकिन अगर अंगूठियों की बात करें तो इससे हमारी पर्सनालिटी तो निखरती ही है। अलग-अलग अंगुलियों में पहनी गई अंगूठियां, अलग-अलग एंगल और अंदाज से हमारे व्यक्तित्व और मनोविज्ञान का खुलासा भी करती हैं। इस बारे में जानिए कुछ रोचक बातें।

अंगूठे में अंगूठी: जब आप अपने दाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके महत्वाकांक्षी होने के मनोविज्ञान को दर्शाता है। यदि आप अपने बाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके अंदर के मनोवैज्ञानिक संघर्ष को दर्शाता है। इसका एक पहलू आपकी पर्सनालिटी को उभारने के संबंध में भी होता है। अगर आपकी बॉडी फिट है, लंबाई 6 फीट के आस-पास है, बदन भारी नहीं है, चेहरे में आत्मविश्वास और ऊर्जा की मौजूदगी है, तो अंगूठे में पहनी गई अंगूठी आपकी अलग ही चमक दिखाती है। यह आपके समूचे व्यक्तित्व को एक ड्राइविंग फोर्स देती है।

तर्जनी अंगुली में अंगूठी: तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहनना हालांकि बहुत आसान है, लेकिन आप ध्यान से देखें तो अंगूठी का शौक रखने वाले भी महज 5 से 10 फीसदी लोग ही तर्जनी में अंगूठी पहनते हैं। दरअसल, तर्जनी पर अंगूठी वही पहनते हैं, जो अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को सार्वजनिक रूप से दर्शाना चाहते हैं, जिनमें नेतृत्व के गुण होते हैं। अगर इस बात को राजनेताओं से जोड़कर देखें तो अकसर राजनेता तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहने मिल जाते हैं। लेकिन अगर इसे सिर्फ फैशन के लिहाज से देखें तो तर्जनी अंगुली पर उन्हीं को अंगूठी पहनना शानदार दिखाता है, जिनकी पर्सनालिटी पहले से ही भरी-पूरी हो।

मध्यमा अंगुली पर अंगूठी: मध्यमा अंगुली जिम्मेदारी, सुंदरता, आत्मविश्लेषण यानी आपके बारे में बहुत कुछ कहती है। परिवार के मुखिया आमतौर पर मध्यमा अंगुली पर ही अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, क्योंकि वे जिम्मेदारी उठाना पसंद करते हैं। मध्यमा अंगुली पर अंगूठी किसी भी लंबाई के पुरुष में अच्छी लगती है, बशर्ते उसके चेहरे में उत्साह हो और आत्मविश्वास भी झलकता हो।

अनामिका अंगुली में अंगूठी: अनामिका एक ऐसी अंगुली है, जिसमें करीब-करीब हर कोई अंगूठी पहनता है और यह भी कहना चाहिए कि हर किसी की अनामिका में पहनी गई अंगूठी अच्छी भी लगती है। शायद इसकी वजह यह है कि इस अंगुली पर जब भी हम अंगूठी पहनते हैं, यह अच्छी लगती है। इसलिए यह अंगूठी पहनने के लिए सबसे कॉमन अंगुली है। रिश्तों की रचनात्मकता को पहचानना हो तो किसी के अनामिका में पहनी गई अंगूठी को देख लें। इसी वजह से विवाह के समय हर जोड़ा इसी अंगुली पर अंगूठी पहनाता है। वास्तव में अनामिका का रिश्ता चंद्रमा और रोमांस से है।

कनिष्ठा अंगुली में अंगूठी : कनिष्ठा यानी छोटी अंगुली पर बहुत कम लोग अंगूठी पहनते हैं। आमतौर पर इस अंगुली में वही लोग अंगूठी पहनते हैं, जिन्हें किसी विशेष मकसद से कोई अंगूठी पहननी हो। लेकिन इस अंगुली में अंगूठी पहनने वालों का एक स्पष्ट मनोविज्ञान होता है। ये पेशेवर होते हैं, बुद्धिमान होते हैं, दूसरे की कम सुनते हैं और अपने आत्मज्ञान पर भरोसा करते हैं। सही तरीके से ड्रेसअप होने पर कनिष्ठा में पहनी गई अंगूठी पर्सनालिटी में चार चांद भी लगाती है। *

रिचा चड्ढा ने अपने अलग तरह के रोल्स और दमदार अभिनय से फिल्मों में एक अलग पहचान बनाई है। इन दिनों वह वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपने किरदार को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। रिचा चड्ढा से उनकी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी खुलकर बातचीत।

लज्जो मेरी नई पहचान है : रिचा चड्ढा

{ बातचीत / पूजा सामंत }

पिछले दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई संजय लीला भंसाली निर्देशित वेब सीरीज 'हीरामंडी' में आप लज्जो के किरदार में नजर आ रही हैं। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। आप क्या कहना चाहेंगी ?

हर कलाकार चाहता है कि उसे भंसाली सर के साथ काम करने का मौका मिले। एक स्त्री का चित्रण जिस खूबसूरती से भंसाली सर करते हैं, वैसा किसी और के लिए करना मुश्किल है। वे हर फ्रेम को बेहद सुंदर बना देते हैं। परफेक्शन का दूसरा नाम हैं- संजय लीला भंसाली। 'हीरामंडी' में लज्जो का किरदार निभाकर मुझे काफी प्रशंसा मिल रही है।

सुना है 'हीरामंडी' में आप एक डांस सीक्वेंस परफॉर्म करते समय रो पड़ी थीं ?

अभी तो मैंने बताया कि भंसाली सर कितने परफेक्शनिस्ट हैं। जब तक शॉट 'द बेस्ट' न हो, रीटेक तो होते रहेंगे। शो के एक डांस सीक्वेंस में लज्जो को मुजरा करते हुए दिखाया गया है, यह कथक के तोड़े हैं। मेरे लगातार रीटेक्स हुए जा रहे थे। मुझे इस बात को लेकर घबराहट हो रही थी कि आखिर मेरा शॉट फाइनल होगा या नहीं, इसलिए मेरी आंखों में आंसू आ गए। 99 रीटेक्स के बाद मेरा कथक वाला मुजरा ओके हुआ।

'हीरामंडी' में को-आर्टिस्ट्स के साथ लज्जो के किरदार में रिचा चड्ढा

आप और आपके पति अली फजल ने एक्टिंग फील्ड में होते हुए भी अपना फिल्म प्रोडक्शन शुरू किया। क्या फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उतरने के पीछे कोई खास मकसद है ?

चलती-फिरती जिंदगी में कई बार कुछ ऐसे वाकये हो जाते हैं कि लगता है यह तो फिल्म का सब्जेक्ट है। यह जरूरी नहीं कि मेरा सुनाया सब्जेक्ट या कहानी किसी और निर्माता को पसंद आए। इसलिए किसी अच्छी-रोचक कहानी पर हमने स्वयं फिल्म बनाना सही समझा। सो फिल्म निर्माण में आ गए।

आप और अली फजल दोनों फिल्म कलाकार हैं, जीवन साथी भी हैं। फिल्म निर्माण भी साथ में कर रहे हैं, ऐसे में क्या 'क्रिएटिव डिफरेंसेज' की गुंजाइश नहीं रहेगी ?

रहेगी न! किसी मुद्दे को लेकर वैचारिक मतभेद का होना स्वाभाविक है। अली को लव स्टोरीज आकर्षित करती हैं और मैं सोचती हूं, एक्शन का तड़का कहानियों में हो तो वो यूनिवर्सल अपील बन जाती है। लेकिन हम दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते हैं।

आपके प्रोडक्शन की फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' सराही जा रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

सूचि तलाटी निर्देशित हमारी यह फिल्म 21 अगस्त को फ्रांस में रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रीति पाणिग्रही, कनि कुसूरति, केशव बिनॉय किरण, जितेन गुलाटी, देविका शाहनी और काजल चुघ मुख्य भूमिका में हैं। ये सभी बड़े होनहार कलाकार हैं। अभी फिल्म की पूरी स्टोरी बताना ठीक नहीं रहेगा। वैसे इसे एक मां और बेटी के संघर्ष की कहानी कहा जा सकता है।

अब तक की अपनी जर्नी को कैसे देखती हैं ?

मेरी जर्नी स्लो एंड स्टेडी रही है। मुझे लगता है मेरी हर फिल्म, हर किरदार ने मुझे सिखाया है, मेरी ग्रोथ हुई है। मैं रातों-रात स्टार नहीं बनी, धीरे-धीरे आगे बढ़ी हूं। 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'ओए लक्की! लक्की ओए' में एक छोटे रोल से मैंने अपना फिल्मी सफर शुरू किया था। उसके बाद 'मसान', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'गोलियों की रासलीला-राम लीला' जैसी फिल्मों में मेरे किरदारों को दर्शकों और फिल्म-क्रिटिक्स के अच्छे रेस्पॉन्स मिले। मेरा किरदार 'भोली पंजाबन' इतना पॉपुलर हुआ कि मुझे 'फुकरे', 'फुकरे रिटर्न्स' में उसी तरह के रोल ऑफर हुए। आज भी मुझ पर से 'भोली पंजाबन' का स्टैंप पूरी तरह से हटा नहीं है। अब मेरे कई फैंस मुझे 'लज्जो' (हीरामंडी) के नाम से जानने लगे हैं, यह मेरी नई पहचान है। *

यह भी बताया...

प्रेग्नेंट रिचा के अहसास : रिचा चड्ढा बहुत जल्द मां बनने वाली हैं। वह कैसा महसूस कर रही हैं, पूछने पर बताती हैं, 'मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं। मैं अली को 2015 से जानती हूं। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में 'विक्टोरिया एंड अब्दुल' फिल्म के प्रीमियर पर हम पहली बार मिले थे। हमारी मुलाकात दोस्ती और प्यार में तब्दील हुई। हमने 2020 में शादी की, अब हम 2024 में मम्मी-पापा बन रहे हैं। हमारा प्यार, हमारे रिश्ते बहुत सहज तरीके से आगे बढ़े। अब मुझे मम्मी और अली को पापा कहने वाला कोई आएगा। ये भावनाएं मन पर मोर पंख घुमा रही हैं।'

नहीं छोड़ेंगी अभिनय और फिल्म निर्माण: रिचा से यह सवाल करने पर कि मां बनने के बाद क्या वह अपना एक्टिंग-करियर जारी रखेंगी, वह जवाब देती हैं, 'वक्त तेजी से बदल रहा है, बल्कि बदल चुका है। यह उन मांओं के लिए सुनहरा दौर है, जो अपने बच्चों की परवरिश के साथ अपने करियर को खत्म नहीं करना चाहतीं। मुझे याद है, जब मेरे भाई का जन्म हुआ था, मां ने डिलीवरी के 45 दिनों बाद ही अपनी जॉब कंटिन्यू कर दी थी। प्रेग्नेंसी-डिलीवरी स्त्री के लिए एक ऑर्गेनिक प्रॉसेस है। अगर मां का हाथ बंटाने वाला कोई हो तो यह कोई इश्यू नहीं बनता। मैं भी मनचाहा काम, फिल्में, ओटीटी, फिल्म निर्माण करते रहना चाहूंगी।'